सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 115 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 06 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

रिटायर्ड आईपीएस कमलोचन कश्यप पीएचक्यू में बनाए गए ओएसडी

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने रिटायर्ड आईपीएस कमलोचन कश्यप को नई जिम्मेदारी दी है। उन्हें संविदा नियुक्ति के तहत पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ रायपुर में ओएसडी के पद पर पदस्थ किया गया है। इस संबंध में गृह (पुलिस) विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम के अंतर्गत दी गई है। संविदा सेवा की शर्तें अलग से जारी की जाएंगी। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कमलोचन कश्यप को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से एक वर्ष की अवधि अथवा आगामी आदेश तक संविदा नियुक्ति दी गई है। बता दें कि वे हाल ही में डीआईजी पद से रिटायर हुए थे, अब उन्हें शासन ने नई जिम्मेदारी दी है।

डीएनए टेस्ट में पिता ही निकला मूक-बधिर बेटी का रेपिस्ट

मुंबई। मुंबई में एक 20 साल की मूक-बधिर युवती से रेप मामले में हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। उसे पांच माह का गर्भ है। डीएनए टेस्ट के अनुसार उसके पिता ने ही रेप किया था। पुलिस ने इस मामले में 17 लोगों का डीएनए सैंपल लिया था। मामला सितंबर 2025 में सामने आया, जब युवती ने पेट दर्द की शिकायत की। उसे मुंबई के कामा एंड अल्बलेस अस्पताल में भर्ती कराया गया। मेडिकल जांच में पता चला कि वह पांच महीने की प्रेग्नेंट है। अस्पताल प्रशासन ने तुरंत पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित का अबॉर्शन करा दिया गया था। भ्रूण की डीएनए रिपोर्ट 27 जनवरी को सामने आई।

मधुबनी में चल रहा था 'टेलीकॉम एक्सचेंज'

मधुबनी। बिहार के मधुबनी जिले में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड गैंग के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। इस मामले में पुलिस ने सरगना सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, मधुबनी के तिरहुत कॉलोनी में एक मकान में आरोपियों ने हाईटैक ऑफिस बना रखा था।यहां से ये गैंग चीन, म्यांमार, थाईलैंड और कंबोडिया में बैठे साइबर अपराधियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देता था। पुलिस ने इस गिरोह से जुड़े मनदीप कुमार, रोशन कुमार, मोहम्मद एहसान और विकास कुमार को गिरफ्तार किया है।

सरकारी वाहन ने भाई-बहन को टक्कर मारी, मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर के छत्तीसगढ़ क्लब के सामने शुक्रवार सुबह स्कूल जा रहे श्वङ्क स्कूटर भाई-बहन को सरकारी वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में भाई की मौके पर मौत हो गई। जबकि बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, हादसा सुबह 7.50 बजे सीएम हाउस के पास हुआ है। मृतक की पहचान अंश आठवानी (14) के रूप में हुई है। जो कि स्कूटर चला रहा था। हादसे के बाद ड्राइवर सरकारी वाहन छोड़कर फरार हो गया है।

परीक्षा पे चर्चा : पीएम मोदी ने देशभर के विद्यार्थियों से की बात, दिए टिप्स

अलग-अलग राज्यों से पहुंचे स्टूडेंट्स से की बात, सवालों के दिए रोचक जवाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने बहुचर्चित कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा के दौरान शुक्रवार को देश के अलग अलग राज्यों से पहुंचे छात्र-छात्राओं से बात की। इस दौरान छात्र-छात्राओं की जिज्ञासाओं को शांत किया और सवालों के रोचक जवाब भी दिए। परीक्षा पे चर्चा का यह 9वां संस्करण है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों से सीधे संवाद किया और परीक्षा से जुड़े तनाव को कम करने के टिप्स दिए। पीएम मोदी के इस कार्यक्रम से देशभर के स्टूडेंट्स जुड़े।

छात्रों से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसके लिए उन्होंने कुछ जरूरी आदतों और सोच पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि युवाओं को अपने अंदर कौशल, आत्मविश्वास और अच्छी सेहत विकसित करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि देश को आगे बढ़ाने के लिए मेड इन इंडिया को अपनाना बहुत जरूरी है। साथ ही साफ-सफाई का ध्यान रखना और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना हमारी जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री ने समय की अहमियत बताते हुए भारतीय मानक समय को लेकर भी सोच बदलने की बात कही। पीएम मोदी ने कहा कि हमें धीरे-धीरे भारतीय उत्पादों को अपनाने की आदत डालनी चाहिए।

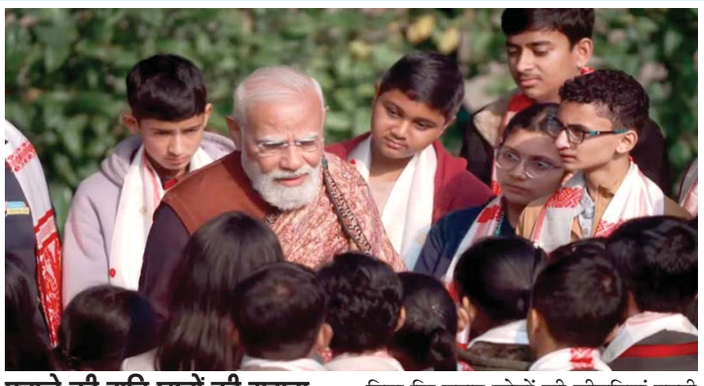

पढ़ाने की गति छात्रों की समझ के अनुसार हो

एक छात्र ने कहा कि कई बार वह स्कूल या शिक्षक की पढ़ाने की गति से मेल नहीं बैठा पाता। जो पाठ छूट जाता है, उसे पूरा करने की कोशिश में आगे की पढ़ाई भी छूटने लगती है। छात्र ने पूछा कि ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिए। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनका जवाब खास तौर पर शिक्षकों के लिए है। उन्होंने कहा कि शिक्षक को हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह छात्रों की गति से सिर्फ एक कदम आगे रहें, उससे ज्यादा नहीं।

पीएम ने कहा- महान लोगों की जीवनियां पढ़ें

कौन-सी छोटी आदत सपनों को पूरा करने में मदद करती है? इस सवाल पर एक छात्र ने पीएम से मार्गदर्शन मांगा। जवाब में मोदी ने सबसे पहला सुझाव दिया कि महान लोगों की जीवनियां पढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे यह समझ आता है कि आज जो लोग बड़े और सफल हैं, वे भी कभी हमारी ही तरह सामान्य हालात में थे। पीएम मोदी ने बताया कि जीवनियां पढ़ने से हमें सही और व्यावहारिक योजना बनाने में मदद मिलती है। साथ ही यह याद रहता है कि सफलता एक दिन में नहीं मिलती।

सफलता कर्म से ही मिलेगी

पीएम मोदी ने कहा कि सपने देखना कोई अपराध नहीं है। सपने तो जरूर देखने चाहिए, लेकिन सिर्फ सपनों के बारे में सोचते रहना या उन्हें गुनगुनाते रहना किसी काम का नहीं होता। उन्होंने कहा कि जीवन में कर्म सबसे जरूरी है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हमें यह सोचकर मेहनत करनी चाहिए कि हम जहाँ हैं, वहीं से सफल होना है। सही मेहनत और लगन से हर जगह से सफलता हासिल की जा सकती है।

परीक्षा पे चर्चा में पीएम मोदी की खास बातें

सही सोच आगे बढ़ने का मंत्र

प्रधानमंत्री ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे नंबर लाने वाले कई छात्र छोटे-छोटे गांवों से होते हैं, जहां सुविधाएं कम होती हैं। लेकिन मेहनत, लगन और सही सोच से कोई भी छात्र आगे बढ़ सकता है।

गेमिंग करियर पर सलाह

गेमिंग करियर पर पीएम मोदी ने कहा शुरुआत में माता-पिता अक्सर मना करते हैं, यह सामान्य बात है। उन्होंने सलाह दी कि शांत रहकर मेहनत करते रहो।

बोर्ड परीक्षा पहली प्राथमिकता

पीएम मोदी ने कहा कि छात्रों की पहली प्राथमिकता बोर्ड परीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि बोर्ड परीक्षा आपके शैक्षणिक जीवन की नींव होती है।

हर चीज में संतुलन जरूरी

कौशल ज्यादा जरूरी है या नंबर वाले सवाल पर पीएम ने कहा हम अक्सर सोचते रहते हैं कि क्या पढ़ें, क्या करें तो इसका जवाब है- हर चीज में संतुलन रखना।

तकनीक पढ़ाई में मददगार

तकनीक एक बेहतरीन शिक्षक है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा। उन्होंने बताया कि आज के समय में छात्रों को तकनीक की मदद पहले से कहीं ज्यादा मिल रही है, जो पहले संभव नहीं थी।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़

तीन नक्सली ढेर, एक जवान शहीद और एक जवान घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर शुक्रवार सुबह से नक्सली और जवानों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस नक्सल ऑपरेशन में अब तक तीन नक्सली ढेर हुए हैं। वहीं एक जवान के वीरगति प्राप्त होने की खबर है। दूसरी ओर एक जवान को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया। मुठभेड़ स्थल से एके-47 और एक इंसास राइफल बरामद हुई है। बताया जा रहा है कि जवानों ने नक्सलियों को चारों तरफ से घेर रखा है। दोनों तरफ से फायरिंग जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र पुलिस के विशेष दस्ता सी-60 ने नक्सलियों के खिलाफ यह ऑपरेशन चलाया। अबूझमाड़ के दुर्गम इलाके में सर्चिंग और डोमिनेटिंग ऑपरेशन के दौरान उन्हें नक्सलियों की मौजूदगी के सटीक जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस-नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। खबर लिखे जाने तक इलाके में नक्सल ऑपरेशन चल रहा था। इससे पहले गुरुवार को बीजापुर जिले हुई मुठभेड़ में नक्सली कमांडर उधम सिंह मारा गया था

क्रिकेटर रिंकू सिंह की फेसबुक आईडी हैक आईडी से आने वाली रकम हड़प रहा हैकर

अलीगढ़। साइबर हैकरों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर रिंकू सिंह की फेसबुक आईडी हैक कर ली है। साथ में 1.6 मिलियन फॉलोअर वाली मोनेटाइज आईडी से मिलने वाली रकम को भी हैकर हड़प रहे हैं। यह जानकारी रिंकू सिंह ने एसएसपी को दी। बाद में भाई की तरफ से दी गई तहरीर पर साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

लंबे समय से क्रिकेट खेलने में व्यस्त रिंकू सिंह अपनी फेसबुक आईडी पर ध्यान नहीं दे पा रहे थे। पिछले दिनों उन्होंने जब अपनी आईडी को चेक किया तो उसे खोल नहीं पाए। जांचने पर पता चला फेसबुक आईडी से मिलने वाली आय भी हैकरों द्वारा ली जा रही है। रिंकू के भाई ओर से एसएसपी के नाम तहरीर दी गई। इस पर अज्ञात हैकर पर साइबर थाने में आईटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है। एसएसपी ने साइबर टीम को जांच व कार्रवाई के निर्देश दिए।

पंजाब में आप नेता की हत्या, बाइक सवार बदमाशों ने मारी गोली

गुरुद्वारे में मत्था टेकने के बाद लौट रहे थे, तभी हुआ हमला

जालंधर ए। पंजाब के जालंधर में आम आदमी पार्टी के नेता लक्की ओबरॉय की हत्या कर दी गई। शुक्रवार की सुबह लक्की ओबरॉय मॉडल टाउन स्थित गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेककर निकले थे इस दौरान बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई है।

बाइक सवार बदमाशों ने लक्की ओबरॉय पर आठ से दस राउंड फायरिंग की। पुलिस के अनुसार वारदात सुबह करीब साढ़े सात बजे हुई। बदमाशों ने ओबरॉय की कार को निशाना बनाया। गंभीर हालत में ओबरॉय को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को सीलकर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, हमलावर बाइक पर सवार होकर आए थे। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है।

ग्वालियर के सिथौरी रेलवे स्प्रिंग फैक्ट्री में तेज धमाका

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में सिथौली स्थित रेलवे स्प्रिंग फैक्ट्री में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां एक मशीन के मेंटेनेंस के दौरान हुई गैस हिसाब में तेज धमाके के साथ आग लग गई। इस वजह से वहां काम कर रहे पांच कर्मचारी झुलस गए। सभी को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना के बारे में जानकारी मिली है कि गुरुवार को ग्वालियर के सिथौली स्थित रेलवे स्प्रिंग फैक्ट्री में एक मशीन में मेंटेनेंस का कार्य चल रहा था। मेसर्स ताईकिशा कंपनी के कर्मचारी इस मशीन का मेंटेनेंस कर रहे थे। पास ही अन्य लोग भी मौजूद थे। मेंटेनेंस के दौरान ही मशीन से एलपीजी गैस लीक हो गई। फिर स्पार्किंग के साथ धमाके से आग लग गई।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला : विवाहित महिला शादी के झूठे वादे पर नहीं लगा सकती है रेप का आरोप

नई दिल्ली ए.। सुप्रीम कोर्ट ने क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जब आपकी सहमति से बने संबंध बिगड़ जाते हैं तो रेप के मामले दर्ज कराए जाते हैं। कोर्ट ने कहा, जब कोई विवाहित महिला किसी दूसरे पुरुष के साथ शारीरिक संबंध बनाती है, तो वह इस आधार पर उसके खिलाफ रेप का मामला दर्ज नहीं कर सकती कि उसने शादी के वादे पर यौन संबंध बनाए थे।

गुरुवार को मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा, ऐसी स्थिति में महिला रेप का केस दर्ज नहीं करा सकती है, क्योंकि वह पहले से शादीशुदा होने के कारण कानूनी तौर पर शादी के लिए योग्य नहीं थी। अदालत ने कहा, जब वे रिश्ते में थे तब शिकायतकर्ता पहले से ही शादीशुदा थी और यह 'सहमति से बने रिश्ते के कटुतापूर्ण रूप लेने का एक क्लासिक केस' था।

सर्वोच्च अदालत द्वारा यह टिप्पणी एक महिला वकील द्वारा दायर उस केस को रद्द करते हुए सुनाया गया, जिसमें उसने एक वकील पर शादी का झूठा वादा करके रेप का आरोप लगाया था। बेंच ने स्पष्ट किया कि अगर किसी महिला ने शादी के झूठे वादे के आधार पर यौन संबंध बनाए भी हों, तो भी वह रेप का केस दर्ज नहीं करा सकती। ऐसा इसलिए है क्योंकि वह खुद शादी के योग्य नहीं थी, न तो पहले कथित अपराध के समय और न ही बाद में।

अरबीआई ने नहीं बढ़ाया रेपो रेट, नहीं बढ़ेगी लोन की इएमआई

मौद्रिक नीति समिति की बैठक

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरबीआई ने रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखने का फैसला किया है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने घोषणा की है कि एमपीसी ने नीतिगत रुख को 'तटस्थ' बनाए रखने का निर्णय लिया है। इसका अर्थ है कि लोन की श्रृङ्खृ नहीं बढ़ेगी।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। आरबीआई ने दिसंबर में ब्याज दर 0.25 प्रतिशत घटाकर 5.25 प्रतिशत की थीं जो कि अभी भी

बरकरार रखा गया है। आरबीआई गवर्नर ने जोर देकर कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और घरेलू मुद्रास्फीति व विकास का परिदृश्य सकारात्मक है। इससे पहले साल 2025 में रिजर्व बैंक ऑफइंडिया ने रेपो रेट में कुल 125 बेसिस पॉइंट्स की बड़ी कटौती की थी।

गवर्नर ने कहा कि हाल ही में संपन्न भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता और संभावित भारत-अमेरिका व्यापार सौदा निर्यात की गति को मजबूत समर्थन प्रदान करेंगे। आरबीआई गवर्नर ने भविष्य के आर्थिक परिदृश्य पर भरोसा जताते हुए अगले वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही के लिए विकास दर के अनुमान को संशोधित कर बढ़ा दिया है, जिसके क्रमशः 6.9 प्रतिशत और 7 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। महंगाई के मोर्चे पर, चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति 2.1त्न रहने का अनुमान है, जबकि वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में इसके 4 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 4.2त्न रहने की संभावना जताई गई है। वैश्विक हालात के बारे में बोलते हुए गवर्नर ने कहा कि जनवरी के अंत तक विदेशी मुद्रा भंडार 723.8 अरब डॉलर के बहुत ही स्वस्थ स्तर पर है और चालू वित्त वर्ष में चालू खाता घाटा भी 'मध्यम' रहने की उम्मीद है।

भोपाल का साइको कटर मैन पकड़ाया

प्यार में मिला धोखा तो बन गया औरतों का दुश्मन

भोपाल। भोपाल की सड़कों पर महिलाओं को आतंकित करने वाले 'साइको कटर मैन' को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 37 वर्षीय देवेंद्र नाम के इस शख्स ने 29 जनवरी की रात को चार महिलाओं पर हमला किया था। पुलिस ने उसके पास से कटर और चोरी की बाइक भी बरामद की है। देवेंद्र ने पूछताछ में बताया कि एकतरफा प्यार और पत्नी से अनबन के चलते वह महिलाओं से नफरत करने लगा था।

पुलिस के अनुसार, देवेंद्र सागर जिले का रहने वाला है और पहले भी कई मामलों में उसका नाम आ चुका है। वह नशे का आदी था और नशे में धुत होकर इन वारदातों को अंजाम देता था। उसने बताया कि वह पांचवीं बार हमला करने की फिराक में था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। देवेंद्र ने 2014 में भी सागर जिले में इसी तरह के चार हमले किए थे। देवेंद्र ने पुलिस को बताया कि वह एक लड़की से प्यार करता था, लेकिन उसने उसे भाव नहीं दिया। इससे वह महिलाओं से नफरत करने लगा। उसकी पत्नी भी उसे छोड़कर चली गई थी। इन सब बातों ने उसे और भी गुस्सा दिला दिया। वह महिलाओं पर हमला करके उन्हें खत्म करना चाहता था, लेकिन इस बार वह अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पाया। साइको कटर मैन दिन में मजदूरी करता और रात के अंधेरे में चोरी की बाइक से घूमता और अकेली महिलाओं को निशाना बनाता था।

होटल कारोबारी से लेनदेन, दंतेवाड़ा में पदस्थ डीएसपी कल्पना वर्मा निलंबित, सरकार की बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने विवादों से घिरी दंतेवाड़ा में पदस्थ उप पुलिस अधीक्षक कल्पना वर्मा को निलंबित कर दिया है। वर्मा पर पद में रहते हुए गलत तरीके से लाभ प्राप्त करना, अपने पद का दुरुपयोग करना और अनुपातहीन सम्पत्ति अर्जित करने का आरोप लगा था। जांच के बाद कल्पना वर्मा को निलंबित कर दिया गया है । निलंबन अवधि में कल्पना वर्मा को पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर में अटैच किया गया है। इस संबंध में गृह विभाग ने आदेश जारी कर दिया है।

जारी आदेश में आदेश में कहा गया है कि शिकायत की प्राथमिक जांच के दौरान डीएसपी वर्मा के खिलाफ वित्तीय लेनदेन, जांच में दिए गए बयानों और व्हाट्सएप चैट से जुड़े तथ्यों

में गंभीर विरोधाभास पाए गए। जांच में कर्तव्य के दौरान अवैध आर्थिक लाभ लेने, पद का दुरुपयोग करने और अनुपातहीन संपत्ति अर्जित करने के आरोप सामने आए हैं। सरकार के अनुसार यह आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम, 1965 के नियम-3 का उल्लंघन है। इसी आधार पर उन्हें निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान डीएसपी कल्पना वर्मा का मुख्यालय पुलिस मुख्यालय रहेगा। नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि डीएसपी कल्पना वर्मा और रायपुर के कारोबारी दीपक टंडन से जुड़े विवाद की जांच में कई गंभीर तथ्य सामने आए थे। कारोबारी दीपक टंडन ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2021 से महिला डीएसपी ने कथित तौर पर 'लव ट्रैप' के जरिए उनसे करीब 2.5 करोड़ रुपये की वसूली की। आरोपों में करीब 2 करोड़ नकद, एक लग्जरी कार, 12 लाख की डायमंड रिंग, पांच लाख के सोने के गहने और अन्य महंगे उपहार शामिल हैं। कारोबारी का आरोप है कि शिकायत के बावजूद कार और ज्वेलरी अब तक वापस नहीं की गई। शासन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर पर कराई गई जांच के बाद करीब 1475 पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट शासन को सौंपी गई थी। इसके बाद सरकार ने इस पर कार्रवाई कर सस्पेंड कर दिया।

संपादकीय

खनन पर हो मनन

पंजाब के प्राकृतिक सुरक्षा कवच पर चोट

सत्ताधीशों की इच्छा शक्ति की कमी और प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही से खनन माफिया के हौसल बुलंद हैं। कहीं न कहीं नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में हैं। पंजाब के रोपड़ जिले की शिवालिक पहाड़ियों में हो रही तबाही उस भयावह स्थिति को दर्शाती है, जिसका खमियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। वजह साफ है कि अंधाधुंध खनन से शिवालिक पहाड़ियों के पारिस्थितिकीय तंत्र को भारी क्षति पहुंच रही है। जो हमें यह भी बताता है कि नीति और प्रवर्तन के बीच खाई में पर्यावरणीय अपराध कैसे और किस तेजी से पनपते हैं। प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है। यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण, मृदा-स्थिरता और जैव-विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। दरअसल, यह शिवालिक पर्वतमाला भू-संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें उस क्षेत्र विशेष का प्राकृतिक संरक्षण कवच हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। ऐसे में प्राकृतिक सुरक्षा को नष्ट करने वाला विकास कालांतर आपदा का कारक बन सकता है।

> “ यह शिवालिक पर्वतमाला भू-संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है।

दरअसल, यह ऐसा प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र होता है जो निचले मैदानी इलाकों को बाढ़ और जल संकट से बचाता है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि इस बाबत जवाबदेह अधिकारियों द्वारा दलील दी जाती रही है कि इस क्षेत्र में खनन की प्रक्रिया पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों के आधार पर की जाती रही है। साथ ही यह भी सफाई दी जाती है कि ऐसी स्वीकृतियों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाता है। लेकिन हकीकत तब उजागर हो जाती है जब स्थानीय लोग रात के समय होने वाले खनन कार्यों, निर्धारित सीमा से अधिक और बड़े पैमाने पर पहाड़ी इलाकों में कटाई होने के आरोप लगाते हैं। ऐसे में अधिकारियों की तमाम दलीलें खोखली ही साबित होती हैं। दरअसल,सवाल नियम-कानूनों की प्रभावकारिता का नहीं है बल्कि असली दिक्कत प्रवर्तन एजेंसियों की उदासीनता की है। जो वस्तु-स्थिति से अवगत होने के बावजूद इन आपराधिक कृत्यों के प्रति आंखें मूंदे रहती हैं। दरअसल, खनन कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को आपराधिक तत्वों व राजनेताओं का संरक्षण भी एक बड़ी चुनौती है। इसमें दो राय नहीं है कि जब अवैध खनन के खिलाफ जमीनी स्तर पर निगरानी के बजाय महज कागजी कार्रवाई का सहारा लिया जाता है तो अवैध खनन को संबल मिलता है। ऐसा भी नहीं है कि यह अवैध खनन केवल पंजाब की शिवालिक पहाड़ियों के आसपास ही हो रहा है।

पूरे भारत में, पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील तमाम क्षेत्रों में अवैध खनन लगातार पर्यावरण से जुड़े कानूनों की सीमाओं का उल्लंघन करता नजर आता है। अकसर खनन के लिये दिए गए परमिटों में अस्पष्टता और स्थानीय स्तर पर कमजोर निगरानी का फायदा उठाया जाता है। वह भी तब जब सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के फैसलों में बार-बार इस बात पर जोर दिया जाता रहा है कि आर्थिक गतिविधियां पारिस्थितिकीय नुकसान की कीमत पर नहीं चलायी जा सकती। फिर भी, जमीनी स्तर पर, प्रवर्तन एजेंसियां या तो शक्तिहीन दिखाई देती हैं या निर्णायक कार्रवाई करने की इच्छाशक्ति उनमें नजर नहीं आती। वास्तव में अवैध खनन पर सिर्फ जुर्माना लगाने के बजाय प्रतिबंधित क्षेत्रों का सख्त सीमांकन, प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी तथा अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने की जरूरत है।

सीपीआई के आधार वर्ष में बदलाव क्या बदला है और यह क्यों जरूरी है

सौरभ गर्ग

महंगाई देश के सबसे अहम आर्थिक संकेतकों में से एक है, जिसे आम लोग रोज़मर्रा की ज़िंदगी में सीधे महसूस करते हैं, जैसे घर का राशन, किराया और पेट्रोल-डीज़ल के खर्च में बढ़ोतरी से।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) इसी महंगाई को मापता है। यह उन चीज़ों और सेवाओं के दाम देखता है, जिनका इस्तेमाल आम परिवार रोज़ करता है। सरल शब्दों में, सीपीआई आम आदमी की ज़िंदगी का आईना है। यह बताता है कि थाली में खाने का खर्च कितना बढ़ा, घर का किराया कितना हुआ, और काम पर जाने के लिए ईंधन कितना महंगा हुआ।

सीपीआई भले ही एक आंकड़ा लगता हो, लेकिन यह सरकार को यह समझने में मदद करता है कि लोगों पर महंगाई का असली असर क्या है। इसी आधार पर वेतन, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े फैसले किए जाते हैं, ताकि ज़रूरी चीज़ें आम लोगों की पहुंच में बनी रहें।

भारतीय रिज़र्व बैंक भी ब्याज दर और महंगाई को नियंत्रित करने जैसे फैसलों के लिए सीपीआई आधारित महंगाई को ही सबसे मुख्य पैमाना मानता है। इसलिए जब सीपीआई ज़मीन की हकीकत सही तरीके से दिखाता है, तब सरकार और आरबीआई की नीतियाँ भी लोगों की असली परेशानियों के अनुसार बेहतर बन पाती हैं। महंगाई सिर्फ दाम बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि यह भी है कि दामों में बदलाव से घर के बजट पर कितना असर पड़ता है। इसलिए जितना ज़रूरी दामों को मापना है, उतना ही ज़रूरी यह भी है कि महंगाई का सूचकांक लोगों की आज की खर्च करने की आदतों को सही तरीके से दिखाए। इसी संदर्भ में भारत में सीपीआई के आधार वर्ष को 2012 से बदलकर 2024 किया जा रहा है।

पिछली बार आधार बदले जाने के बाद देश की अर्थव्यवस्था में बहुत बदलाव आया है। शहरों की आबादी बढ़ी है, सेवाओं का क्षेत्र बढ़ा है, डिजिटल प्लेटफॉर्म के कारण खरीदारी का तरीका बदला है और घरों का खर्च अब कई नई चीजों पर होने लगा है।

इसीलिए नया सीपीआई 2024 तैयार करने में 2023-24 के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है।

समय के साथ लोगों की ज़रूरतें और खर्च बदलते हैं, इसलिए सीपीआई में अलग-अलग वस्तुओं और

सेवाओं को दी जाने वाली अहमियत भी बदली गई है। जिन चीजों पर अब परिवार ज़्यादा खर्च करते हैं, उन्हें सीपीआई में ज़्यादा महत्व दिया गया है, और जिन पर खर्च कम हो गया है, उन्हें कम महत्व दिया गया है। इससे सीपीआई वही महंगाई दिखाता है, जो सच में आम परिवार के बजट को प्रभावित करती है। साथ ही, उपभोग की टोकरी (कंजम्पशन बास्केट) को भी बदला गया है, ताकि सेवाओं पर बढ़ते खर्च जैसे नए रुझान दिखाई दे सकें, जो बढ़ती आय और बदलती जीवनशैली की वजह से बढ़ रहे हैं। सीपीआई को मापने का तरीका अपडेट करना भी उतना ही ज़रूरी है, जितना यह तय करना कि उसमें क्या-क्या शामिल किया जाए।

नया संशोधित सीपीआई अब अंतरराष्ट्रीय मानकों के ज्यादा करीब है, लेकिन इसमें भारत से जुड़ी खास बातें भी बनी हुई हैं। इससे भारत की महंगाई की तुलना दूसरे देशों से करना आसान हो जाता है।

आम परिवार के लिए इसका मतलब यह है कि सरकार और नीति बनाने वाले लोग यह बेहतर समझ पाते हैं कि भारत में दामों में होने वाला बदलाव दुनिया के हालात से कैसे जुड़ा है, और साथ ही यह भी ध्यान रहता है कि रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर क्या असर पड़ रहा है।

सीपीआई के लिए आंकड़े जुटाने का तरीका भी अब लोगों की बदलती खरीदारी और खर्च की आदतों के अनुसार बेहतर बनाया गया है। जहां पहले की तरह बाजारों से दाम इकट्ठा किए जाते रहेंगे, खासकर खाने-पीने और ज़रूरी चीज़ों के, वहीं 2024 के नए ढांचे में अब कुछ सेवाओं के ऑनलाइन दाम भी शामिल किए जा रहे हैं। जैसे मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं, हवाई टिकट और कुछ अन्य सेवाओं के दाम अब ऑनलाइन स्रोतों से भी लिए जाएंगे।

नई सीपीआई श्रृंखला में अब कंप्यूटर की मदद से दाम इकट्ठा किए जा रहे हैं। इससे हाथ से होने वाली गलतियाँ कम हुई हैं और तुरंत जाँच भी हो जाती है। इससे दामों से जुड़े आंकड़ों की गुणवत्ता और समय पर उपलब्धता दोनों बेहतर हुई हैं। सीपीआई के आंकड़े सही और समय पर मिलना बहुत ज़रूरी है, क्योंकि इसी के आधार पर ऐसे फैसले होते हैं, जो सीधे आम आदमी की ज़िंदगी को प्रभावित करते हैं, जैसे कर्ज कितना महंगा होगा, बचत पर कितना ब्याज मिलेगा, और बढ़ती महंगाई से घर का बजट कैसे प्रभावित होगा।

नए आधार वर्ष की सीपीआई में अब कई मामलों में सरकारी स्रोतों से मिलने वाले आधिकारिक आंकड़ों का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है। जैसे रेल किराया, डाक शुल्क, ईंधन के दाम और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत बिकने वाली चीजें। इससे इन दामों को पहले से ज्यादा सही तरीके से दर्ज किया जा रहा है और बाजार सर्वे में होने वाली गलती या पक्षपात की संभावना भी कम हो जाती है।

अब सर्वे के आंकड़े, सरकारी रिकॉर्ड और डिजिटल माध्यमों से मिलने वाले दाम, तीनों को मिलाकर सीपीआई तैयार की जा रही है। यह पुरानी व्यवस्था की तुलना में बड़ा सुधार है और इससे दामों में होने वाले बदलाव की ज्यादा भरोसेमंद तस्वीर मिलती है। इतने बड़े स्तर पर सीपीआई के आधार वर्ष में बदलाव करना एक बहुत बड़ा संस्थागत प्रयास होता है। इसमें देश भर के फील्ड दफ्तरों, सांख्यिकी विभागों और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ संस्थाओं के बीच तालमेल जरूरी होता है। इस पूरी प्रक्रिया में मेथडोलॉजी की गहराई से जाँच की जाती है, अलग-अलग विकल्पों को परखा जाता है और अर्थशास्त्रियों व विषय-विशेषज्ञों से सलाह ली जाती है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने विशेषज्ञ समूहों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और अन्य संबंधित पक्षों से बातचीत की है, ताकि किए गए बदलाव साफ़ समझने में आसान और वैज्ञानिक रूप से सही हों।

टोकरी, वेटेज और आंकड़ों के स्रोत बदलने के बाद भी सीपीआई का मूल उद्देश्य वही रहता है-यानी एक परिवार की नज़र से दामों में होने वाले बदलाव को दिखाना। यह निरंतरता इसलिए ज़रूरी है, ताकि हम समय के साथ महंगाई की तुलना कर सकें।

सीधे शब्दों में, सीपीआई को बेहतर बनाया जा रहा है, लेकिन उसे रोज़मर्रा की ज़िंदगी से जोड़कर ही रखा गया है, ताकि वह नीति बनाने वालों के लिए एक भरोसेमंद मार्गदर्शक बना रहे।सीपीआई हमें यह याद दिलाता है कि हर आंकड़े के पीछे करोड़ों लोगों की असली ज़िंदगी छिपी होती है। आखिरकार, आंकड़े लोगों के लिए ही होते हैं। यह चुपचाप यह दिखाता है कि दामों में बदलाव हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी को कैसे प्रभावित करता है और सरकार की नीतियों को दिशा देता है।

आधार वर्ष में चल रहे संशोधन के ज़रिये सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने यह सुनिश्चित किया है कि सीपीआई सही, समय के अनुसार अपडेट और लंबे समय तक एक-जैसे तरीके से मापा गया रहे। ताकि सीपीआई सिर्फएक संख्या न होकर, पूरे देश के लोगों की असली ज़िंदगी की सच्चाई दिखाने वाला आईना बना रहे।

(लेखक सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव हैं, यह उनके निजी विचार हैं)

ग्राउंड से ग्रोथ तक : छत्तीसगढ़ में साय सरकार का सुशासन मॉडल

नसीम अहमद खान

छत्तीसगढ़ आज ग्रामीण विकास के उस मुकाम पर खड़ा है, जहाँ नीतियाँ केवल कागज़ों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि ज़मीन पर ठोस बदलाव का माध्यम बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने सुशासन को केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि कार्यशैली के रूप में अपनाया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), महात्मा गांधी नरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी योजनाओं के प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन ने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर ग्रामीण विकास का एक उभरता मॉडल बना दिया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत बीते दो वर्षों में छत्तीसगढ़ में 8 लाख से अधिक पक्के आवासों का निर्माण पूर्ण होना, देश में सर्वाधिक है। यह उपलब्धि केवल आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और गरिमापूर्ण जीवन की दिशा में एक बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री साय का मानना है कि आवास केवल छत नहीं, बल्कि सुरक्षा, स्थिरता और आत्मसम्मान का आधार है। यही कारण है कि राज्य सरकार ने आवास योजना को आजीविका से जोड़ा है। आवास हितग्राहियों को सेंटरिंग प्लेट एवं अन्य निर्माण की आपूर्ति कर 8 हजार से अधिक महिलाएँ 'लखपति दीदी' बन सकीं।

छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी चुनौती रहे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सरकार ने सुरक्षा के साथ-साथ विकास और विश्वास को समान महत्व दिया है। कौशल प्रशिक्षण और पुनर्वास योजनाओं के माध्यम से युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। आर-सेटी एवं प्रोजेक्ट उन्नति के जरिए आत्मसमर्पित नक्सलियों सहित 5 हजार से अधिक हितग्राहियों को राजमिस्त्री का प्रशिक्षण दिया गया है। वहीं, 3416 आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल पीड़ित परिवारों को आवास की स्वीकृति दी गई है। पीएम-जनमन आवास योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए 33 हजार से अधिक आवासों की स्वीकृति इस दिशा में एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है।

साय सरकार ने योजनाओं की निगरानी में आम नागरिक को सहभागी बनाकर पारदर्शिता को नई परिभाषा दी है। टोल-फ्री हेल्पलाइन, पंचायत स्तर पर क्यूआर कोड और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कोई भी व्यक्ति विकास कार्यों की जानकारी सीधे प्राप्त कर सकता है। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को मनरेगा, उज्ज्वला, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन और पीएम सूर्यघर जैसी योजनाओं से अभिसरण के माध्यम से जोड़ा गया है, जिससे समग्र लाभ सुनिश्चित हो रहा है।

'मोर गांव मोर पानी' महाभियान छत्तीसगढ़ की जल संरक्षण नीति का प्रतीक बनकर उभरा है। नरेगा के तहत दो वर्षों में 20 करोड़ से अधिक मानव दिवसों का सृजन हुआ है। जल संरक्षण के लिए 35 हजार से अधिक कार्य और 10 हजार से अधिक आजीविका डबरियों की स्वीकृति ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। युक्तधारा पोर्टल के माध्यम से जीआईएस आधारित योजना निर्माण में छत्तीसगढ़ ने देश के अग्रणी राज्यों में स्थान बनाया है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 2.82 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों से लगभग 30 लाख महिलाएँ जुड़ी हैं। 'लखपति दीदी' अभियान के माध्यम से अब तक 4.94 लाख महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। महिलाओं की आवाज़ को मंच देने के लिए 'दीदी के गोठ' रेडियो कार्यक्रम और उनके उत्पादों के विपणन हेतु 'छत्तीसकला' ब्रांड राज्य सरकार के नवाचारों के प्रमाण हैं।

प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत 2902 किलोमीटर सड़कों की स्वीकृति और 1064 किलोमीटर सड़कों का निर्माण पूर्ण होना, दूरस्थ और जनजातीय अंचलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत स्वीकृत सड़कों के निर्माण में छत्तीसगढ़ देश में अग्रणी राज्य है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के विभिन्न चरणों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में दशकों से अधूरी पड़ी 43 सड़कों को पूरा कर सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि विकास अब किसी क्षेत्र या वर्ग तक सीमित नहीं रहेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का कहना है कि शासन का वास्तविक उद्देश्य आम नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। आवास, रोजगार, महिला सशक्तिकरण, जल संरक्षण और अधोसंरचना के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ आज समावेशी और आत्मनिर्भर विकास की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। पारदर्शी, नवाचारी और जनोन्मुखी कार्यप्रणाली के कारण छत्तीसगढ़ अब केवल एक राज्य नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास का राष्ट्रीय मॉडल बन रहा है।

उप संचालक जनसंपर्क

तंग नजरिये से छोटा न हो भारतीयता का आंगन

विश्वनाथ सचदेव

देश के हर विवेकशील नागरिक के मन में यह सवाल उठना चाहिए। भारतीयता के आंगन में धर्म की दीवारें खड़ी करने वालों को यह बात क्यों समझ नहीं आ रही कि ऐसी हर दीवार आंगन को छोटा ही करती है। आज अपने आंगन को बांटना नहीं है, पूरे आंगन में धूप की ऊष्मा और रोशनी पहुंचाना हमारी आवश्यकता है।

अखबार में उस दिन दो खबरें एक साथ दिखीं। पहली खबर उत्तराखंड के कोटद्वार की है। वहां एक दुकान है, स्कूली ड्रेस बिकती हैं वहां। नाम है 'बाबा स्कूल ड्रेस और मैचिंग सेंटर'। पिछले 30 साल से चल रही इस दुकान के 75 वर्षीय मुस्लिम मालिक को कुछ लोग धमका रहे हैं कि वह दुकान का नाम बदले बाबा शब्द को हटा दें। भले ही आप अपने पिता को बाबा कहते हैं पर इस दुकान का नाम बदलवाने की मांग करने वालों का कहना है कि कोटद्वार में बाबा सिद्धबली का मंदिर है। उन्हें लगता है कि इस 'बाबा' नाम पर हिंदुओं का एकाधिकार है और किसी मुसलमान को अपनी दुकान का नाम हिंदुओं के देवता के नाम पर रखने का अधिकार नहीं है। अपने आप को हिंदू धर्म का रक्षक मानने वालों की उस भीड़ ने कुछ दिन पहले भी इस नाम को बदलने की मांग की थी, और अब फिर इस बात का जवाब मांग रहे थे कि 'अब तक नाम बदला क्यों नहीं गया'। यह जानना ज़रूरी है कि उस भीड़ के लोग आग्रह नहीं कर रहे थे, धमका रहे थे।

उनकी धमकियों का शोर सुनकर पास के जिम का युवा मालिक वहां पहुंचा। जब उसने शोर मचाने वालों को रोकने की कोशिश की और बाबा स्कूल ड्रेस के उम्रदराज मुसलमान मालिक का पक्ष लिया तो उन उपद्रवियों ने उसे युवक का नाम पूछा। युवक ने बुलंद आवाज़ में अपना नाम बताया मोहम्मद दीपक। उसका नाम दीपक कुमार ही था, पर उपद्रवियों के सामने तनकर खड़ा होते हुए उसने स्वयं को मोहम्मद कहा था। एक मुसलमान पड़ोसी के हितों की रक्षा के लिए किसी हिंदू का सामने आना इस देश के लिए नई बात नहीं है, पर दीपक कुमार का स्वयं को मोहम्मद बताना और वह भी सांप्रदायिकता का ज़हर फैलाने वालों के सामने, साहस की मांग करता है। दीपक कुमार ने यह साहस दिखाया और इस साहस के लिए देश के विवेकशील नागरिक उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। विवेकशील लोगों की कमी नहीं है देश में, पर अन्याय के खिलाफ खड़े होकर न्याय के लिए खतरा मोल लेना भी कोई आसान काम नहीं है। दीपक कुमार ने यह साहस दिखाया है। ऐसे हर दीपक का हौसला बढ़ाने की आवश्यकता है।

जिस दिन अखबार में 'मोहम्मद दीपक कुमार' की यह खबर छपी थी, उसी दिन एक खबर देश की पूर्वी सीमा से भी आयी थी। असम की बात है यह। मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा का एक बयान छपा था अखबारों में। वह कह रहे थे कि मुसलमान रिक्शा चालक को हिंदुओं से कम मेहनताना देना चाहिए। कोई भी यदि इस तरह के भेदभाव वाली बात कहे तो उसे ग़लत ही कहा जायेगा। पर यदि कोई मुख्यमंत्री ऐसी बात करता है तो उसकी सोच पर गुस्सा ही

नहीं आता, तरस भी आता है। मुख्यमंत्री जैसे जिम्मेदार पद पर बैठा कोई व्यक्ति यदि इस तरह की घटिया सोच का प्रदर्शन करता है तो बात और भी गंभीर हो जाती है। यह दुर्भाग्य ही है कि आज़ादी अर्जित करने के इतने साल बाद इस तरह की सोच के उदाहरण सामने आ रहे हैं।

जब हमारे पूर्वजों ने देश के संविधान में पंथ-निरपेक्ष भारत की व्यवस्था की थी तो यह निर्णय बहुत सोच-विचार कर लिया गया था। यह सही है कि देश का बंटवारा धर्म के नाम पर हुआ था, पर हमारे तत्कालीन नेताओं ने कभी यह नहीं स्वीकारा कि हमारा भारत किसी एक धर्म को मानने वालों का देश बन जाये। दुनिया में शायद ही कोई और देश होगा जहां इतने धर्मों को मानने वाले लोग हों जितने हमारे देश में हैं। भारत ने हर धर्म का स्वागत किया है। हमारी बहुधर्मिता हमारी ताकत है। यह सही है कि भारत में लगभग अस्सी प्रतिशत आबादी हिंदू है, लेकिन यहां हर धर्म को मानने वालों को अपनी आस्था के अनुसार जीने का अधिकार हमारा संविधान देता है। ऐसे में जब धर्म के आधार पर भेदभाव करने का कोई उदाहरण सामने आता है, और यदि उदाहरण मुख्यमंत्री स्तर का कोई व्यक्ति प्रस्तुत करता है तो हैरानी भी होती है, और पीड़ा भी।

कुछ ऐसा ही एक उदाहरण पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने प्रस्तुत किया है। 'सबका साथ, सबका विकास' हमारे प्रधानमंत्री का प्रिय नारा है। वे और उनकी पार्टी के अन्य नेता इस बात का दावा भी करते हैं कि भाजपा की सरकारें बिना किसी भेद-भाव के हर धर्म को मानने वाले के विकास की चिंता करती हैं। होना भी यही चाहिए। प्रधानमंत्री सिर्फ अपने दल का ही नेता नहीं होता, सारे देश का प्रधानमंत्री होता है वह। इसलिए, जब सबके साथ और सबके विकास की बात होती है तो उसका स्वागत ही होना चाहिए। पर पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता शुभेंदु खुलेआम यह कह रहे हैं कि इस नीति को बदला जाना चाहिए। हाल ही में उन्होंने यह कहा है कि 'अब' यह नीति नहीं चलेगी। उन्होंने घोषणा की है कि 'जो हमारे साथ हैं, हम उसके साथ हैं'। स्पष्ट है, वे अपने राजनीतिक विरोधियों की ही नहीं, गैर हिंदुओं की भी बात कर रहे हैं।

ज्ञातव्य है कि कुछ अर्सा बाद पश्चिम बंगाल में चुनाव होने वाले हैं। उसके कुछ बाद असम में चुनाव की बारी है। ऐसी स्थिति में इन दोनों राज्यों में धर्म के आधार पर भेदभाव की आशंकाएं मंडरा रही हैं। सवाल सिर्फ चुनाव में हार-जीत का नहीं है, सवाल उस बीमार सोच का है जिसके चलते देश की जनता को धर्म के आधार पर बांटा जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भले ही किसी भी सोच के अंतर्गत 'बटेंगे तो कटेंगे' की चेतावनी दी हो, पर यह चेतावनी सारे देश के लिए है हमने अपने संविधान में हर भारतीय को समता, न्याय और बंधुता के आधार पर समान अधिकार देने की व्यवस्था की थी। ऐसे में जब कोई शुभेंदु अधिकारी चुनावी सभा में श्रोताओं को इस आशय की धमकी देता है कि 'सड़क तब मिलेगी जब तुम धर्म बदलोगे', तो हैरानी भी होती है और गुस्सा भी आता है।

ऐसा ही गुस्सा कोटद्वार के दीपक को आया होगा जब उसने यह देखा कि 75 साल के एक मुसलमान व्यापारी को इसलिए परेशान किया जा रहा है कि उसकी दुकान के नाम में 'बाबा' जुड़ा हुआ है। तीस साल से चल रही है यह दुकान। तीस साल तक किसी को इस पर कोई आपत्ति नहीं हुई। तो, आज यह विवाद किसलिए यह सवाल सिर्फ 'मोहम्मद दीपक' नाम वाले युवक का नहीं है। देश के हर विवेकशील नागरिक के मन में यह सवाल उठना चाहिए। भारतीयता के आंगन में धर्म की दीवारें खड़ी करने वालों को यह बात क्यों समझ नहीं आ रही कि ऐसी हर दीवार आंगन को छोटा ही करती है। आज अपने आंगन को बांटना नहीं है, पूरे आंगन में धूप की ऊष्मा और रोशनी पहुंचाना हमारी आवश्यकता है। जिस साहस और समझदारी के साथ 'मोहम्मद दीपक कुमार' ने धर्म के नाम पर विद्वेष फैलाने वालों का सामना किया है, आज देश के हर युवा में उस साहस और समझदारी की आवश्यकता है।

कोटद्वार में जो कुछ हुआ उसका एक हिस्सा यह भी है कि यह घटना इसी 26 जनवरी को, अर्थात् जब सारा देश गणतंत्र दिवस मना रहा था, तब घटी थी। यह वह दिन है जब हमने धर्म-निरपेक्ष भारत के लिए एक संविधान को अंगीकृत किया था। हर 26 जनवरी को हम उस संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ लेते हैं। हमारे नेता समता और न्याय के पक्ष में खड़े होना क्यों ज़रूरी नहीं समझते मोहम्मद दीपक ने यह बात समझी है। अब हर सच्चे भारतीय को यह बात समझनी है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

एसपीएसबी अंतर इस्पात संयंत्र टेनिस प्रतियोगिता हेतु बीएसपी टेनिस टीम का चयन

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा आगामी 18 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित की जाने वाली एसपीएसबी अंतर इस्पात संयंत्र टेनिस प्रतियोगिता में सहभागिता के लिए बीएसपी टेनिस टीम के गठन हेतु चयन स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है। क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा यह चयन स्पर्धा बीएसपी टेनिस कॉम्प्लेक्स, सिविक सेंटर, भिलाई में दिनांक 08 फरवरी 2026 एवं 09 फरवरी 2026 को शाम 06:00 बजे से आयोजित की जाएगी। इस चयन स्पर्धा में भिलाई इस्पात संयंत्रकर्मी एवं माईन्स के कार्यपालक एवं गैर-कार्यपालक भाग लेने के पात्र होंगे। इच्छुक प्रतिभागी दिनांक 08.02.2026 को अपराह्न 04:00 बजे तक बी. एल. मौर्य के पास अपना नाम पंजीकृत करा सकते हैं। चयनकर्ताओं बी. एल. मौर्य एवं प्रवीन उपाध्याय, द्वारा खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। उप प्रबंधक अभिजीत भौमिक चयन स्पर्धा के प्रभारी होंगे।

मोबाइल का अत्यधिक उपयोग युवा पीढ़ी को संवेदनहीन बना रहा : अलका

दुर्ग। ज्येष्ठ नागरिक संघ के नए पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह संघ के आशीर्वाद भवन में हुआ। महापौर अलका बाघमार ने सभी को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था में बुजुर्ग वृद्धाश्रम में रह रहे हैं, यह बड़े दु:ख की बात है। समारोह में इतनी बड़ी संख्या में बुजुर्गों ने मिल-जुलकर जो परिवार बनाया है, उसके लिए सभी को साधुवाद। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे संस्कारविहीन होते जा रहे हैं। घर के बुजुर्ग माता-पिता को वृद्धाश्रम में जाना पड़ रहा है। मोबाइल ने भी इन बच्चों को संवेदनहीन बना दिया है। उन्होंने कहा कि मैं यहां बड़ी संख्या में उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को देखकर बड़ी खुश हूं,ये यहां बैठकर आपस में अपने दु:ख सुख की बातें बांट सकते हैं। इससे पहले रजनी श्रीवास्तव की सरस्वती वंदना से कार्यक्रम शुरू हुआ। संघ के अध्यक्ष सीएस पांडे ने महापौर अलका बाघमार, पार्षद संजय अग्रवाल, लीलाधर, सरिता चंद्राकर, यमला साहू और उपस्थिति सभी वरिष्ठों का स्वागत किया।

मैथ्स ओलंपियाड में अविक जैन ने जीता स्वर्ण मेडल

दुर्ग। प्रतिभावान स्टूडेंट अविक जैन ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित मैथ्स ओलंपियाड में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। वे पूर्व में प्रभारी सीएमएचओ व जिला रेडक्रॉस के नोडल रहे सेवानिवृत डॉ. प्रवीण अग्रवाल और बीएसपी से सेवानिवृत्त जीएम नरेंद्र जैन के प्रपौत्र हैं। अविक ने इंटरनेशनल रैंक-16 हासिल किया व राष्ट्रीय स्तर मे यह गोल्ड मेडल जीता है। उनकी मां डॉ. प्रणिता जैन शहर की प्रतिष्ठित दंत चिकित्सक हैं, वहीं पिता गौरव जैन सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, जो पुणे में सेवारत हैं।

ब्लड बैंक दुर्ग में हर वर्ष आयोजित होता है विशाल रक्तदान शिविर

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। एक पिता का अपनी बेटी को लेकर प्यार ऐसा कि हर साल बिटिया परी के जन्मदिवस को यादगार बनाने और सामाजिक सरोकार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पिता के द्वारा रक्तदान शिविर लगवाया जाता है।

सिकलिंग, थैलेसिमिया पीड़ित बच्चों को रक्त की नियमित आवश्यकता एवं ईलाज के दौरान रक्त

की कमी होने से रक्त का अभाव न हो इसी उद्देश्य से सेवाभावी तृपेश शर्मा की इकलौती पुत्री तृपेश शर्मा ''परी'' के 14वां जन्मदिवस 25 जनवरी 2026 को दुर्ग जिला ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित विशेष रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का रक्तदान करने ब्लड बैंक पर बैच व टुकड़ो-टुकड़ो में रक्तदान होता रहा तृपेश शर्मा के परिवार जनों ने भी रक्तदान किया। मित्रगण, व्यपारी वर्ग, विभागीय अधिकारी व कर्मचारियों को भी रक्तदान के लिये प्रेरत कर रक्तदान करवाया। रक्तदान शिविर में रूंगटा डेटल कॉलेज, पुलिस लाईन, रक्षित निरीक्षक केन्द्र, परिश्रमी सामाजिक समिति दिशा, छ.ग. प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ दुर्ग, चेम्बर ऑफकार्मस, श्री जलाराम रिसायकलस दुर्ग, सेव इंडियन फैमली, नव दृष्टि फाउंडेशन, दुर्ग-भिलाई मोबाईल एशोसिएशन एवं दुर्ग भिलाई के रक्तदाताओं ने रक्तदान कर कुल 202 यूनिट रक्तदान किया।

शिविर में 15 रक्तदाताओं ने अपने जीवन का प्रथम रक्तदान 02 जोड़े पति-पत्नी, 02 जोड़े पिता-पुत्र ने रक्तदान किया। आयोजित शिविर में जिला आयुर्वेद अधिकारी दुर्ग डॉ. दिनेश चंद्रवशी ने स्वयं अपना रक्तदान किया। उमेश कुमार भागवतकर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा कहा गया कि प्रत्येक व्यक्ति रक्तदान को अपना कर्तव्य एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें रक्तदान के दौरान ब्लड बैंक में जमा की गई रक्त यूनिट मरीजों के जान बचाने के काम आयेगी।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव : ऊर्जा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की प्रगति बेमिसाल

25 वर्षों में 74 हजार से बढ़कर 8.5 लाख हुए कृषक उपभोक्ता- गजेन्द्र यादव

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत आज छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल), दुर्ग क्षेत्र द्वारा शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय (साइंस कॉलेज) दुर्ग परिसर स्थित राधाकृष्ण सभागार में एक भव्य क्षेत्रीय समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राज्य गठन के बाद इन 25 वर्षों में यदि छत्तीसगढ़ ने किसी क्षेत्र में सर्वाधिक प्रगति की है, तो वह ऊर्जा का क्षेत्र है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि राज्य गठन के समय हमारे पास मात्र 74,000 कृषक उपभोक्ता थे, जो आज बढ़कर 8.5 लाख हो चुके हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़

कृषि और ऊर्जा के समन्वय से कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

श्री यादव ने राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री के योगदान को याद करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल को स्वतंत्र पहचान दिलाई। उन्होंने गंगरेल (रविशंकर जलाशय) बांध पर बिजली उत्पादन परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण जो काम ढाई साल में होना था, वह रिकॉर्ड 18 महीने से भी कम समय में पूरा हुआ। मंत्री श्री यादव ने वर्तमान विष्णुदेव साय सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए कहा कि नवा रायपुर में सेमीकंडक्टर प्लांट और विद्युत ट्रांसफार्मर के नए प्लांट लगने जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना पर जोर देते हुए कहा कि हमें अब ऊर्जा के नए विकल्पों की ओर बढना होगा ताकि उपभोक्ताओं को बिजली बिल से मुक्ति मिल सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक (दुर्ग ग्रामीण) ललित चंद्राकर ने ऊर्जा शक्ति को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया।

विशिष्ट अतिथी के रुप में उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्ग श्रीमती सरस्वती बंजारे ने अपने उद्बोधन में लोगों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित किया एवं 25 वर्षों में हुए विद्युत विकास की सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत में भूमिका बताते हुए सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल ने दुर्ग क्षेत्र में 25 वर्षों में हुए विद्युत विकास को साझा किया।

समारोह में विभाग के प्रति समर्पित सेवा देने वाले सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शाल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही, समय पर बिल भुगतान करने वाले और ऊर्जा संरक्षण अपनाने वाले आदर्श घरेलू, कृषि व बीपीएल उपभोक्ताओं सहित सर्वप्रथम सौर ऊर्जा अपनाने वाले नागरिकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में ओपन चित्रकला प्रतियोगिता, साइंस कॉलेज में आयोजित नारा लेखन, निबंध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को भी पुरुस्कृत किया गया। कार्यक्रम स्थल पर विभाग द्वारा विशेष स्टॉल लगाए गए थे, जहां पीएम सूर्यघर योजना के लिए ऑन-स्पॉट रजिस्ट्रेशन की सुविधा और तकनीकी मार्गदर्शन के लिए विशेषज्ञ डेस्क उपलब्ध रहे।

शालिनी चौरसिया ने कॉर्पोरेट क्विज में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की जनसंपर्क विभाग की उप प्रबंधक शालिनी चौरसिया ने 1 फरवरी, 2026 को हैदराबाद में आयोजित 'द हिंदू बिज़नेस लाइन सेरेब्रेशन कॉर्पोरेट क्विज़ 2026' के हैदराबाद क्षेत्रीय दौर में तृतीय पुरस्कार प्राप्त कर संयंत्र का नाम गौरवान्वित किया।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश के विभिन्न कॉर्पोरेट संगठनों से जुड़े अधिकारियों एवं पेशेवरों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के विभिन्न चरणों में प्रतिभागियों की व्यावसायिक समझ, वित्त, अर्थशास्त्र, बाजार, समसामयिक घटनाओं एवं विश्लेषणात्मक क्षमता का परीक्षण किया गया। सुश्री शालिनी चौरसिया ने अपने सशक्त ज्ञान एवं समसामयिक विषयों पर सटीक पकड़ के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

यह प्रतियोगिता द हिंदू बिज़नेस लाइन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित सेरेब्रेशन कॉर्पोरेट क्विज़ चैम्पियनशिप के 22वें संस्करण का हिस्सा थी। विगत वर्षों में यह क्विज़ श्रृंखला कॉर्पोरेट जगत में ज्ञानवर्धन, रणनीतिक सोच एवं बौद्धिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने वाले एक प्रमुख मंच के रूप में स्थापित हुई है।

22वें सेरेब्रेशन कॉर्पोरेट क्विज़ के अंतर्गत देश के प्रमुख शहरों में क्षेत्रीय दौर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी राष्ट्रीय फाइनल के लिए चयनित होंगे।

छत्तीसगढ़ की गेंदबाज पलक सिंह बनी डब्लूपीएल अंडर 19 स्पीड क्वीन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की महिला क्रिकेटर पलक सिंह ने इतिहास रच दिया है। विमेंस प्रीमीयर लीग द्वारा आयोजित स्पीड क्वीन ट्रायल की अंडर 19 श्रेणी में भारत के शीर्ष 3 गेंदबाजों में अपना स्थान बनाया। इसके साथ ही पलक सिंह ने डब्ल्युपीएल अंडर 19 स्पीड क्वीन का खिताब अपने नाम किया। पलक ने 106 की गति से गेंद फेंकी। भारतीय महिला टीम के कोच अमोल मजुमदार ने पलक सिंह को इस उपलब्धि के लिए 1 लाख रुपए का कैस रिवार्ड देकर सम्मानित किया है।

बता दें विमेंस प्रीमीयर लीग लीग द्वारा आयोजित स्पीड क्वीन ट्रायल में संपुर्ण देश से कुल 7000 प्रतिभगीयो ने भाग लिया। पलक सिंह ने अंडर 19 श्रेणी में भाग लेते हुये नागपुर में हुये प्रथम राउंड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये द्वितीय राउंड में प्रवेश किया। दूसरे राउंड में पलक ने 106 किमी प्रति घंटे की गती

से गेंदबाजी कर स्पीड क्वीन का पुरस्कार जीता। उनके इस शानदार प्रदर्शन हेतु उन्हे एक लाख रुपए का पुरस्कार प्रदान किया गया। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की ओर से समस्त अधिकारीयों ने पलक को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा उपलब्धि हेतु शुभकामनांये दी।

महापौर बाघमार ने डामरीकरण कार्य का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत गया नगर वार्ड क्रमांक 4 में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। पुरुषोत्तम किराना स्टोर से लेकर धनकर किराना स्टोर तक, गली नंबर 6 में लगभग 20 लाख रुपये की लागत से डामरीकरण कार्य का शुभारंभ दुर्ग नगर निगम की महापौर अलका बाघमार ने विधिवत भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने वार्डवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सड़क, नाली, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने कहा कि यह सड़क वर्षों

पूर्व बनी थी और वर्तमान में जर्जर अवस्था में थी, जिसे लेकर वार्ड पार्षद श्रीमती लीना दिनेश देवांगन एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा निरंतर मांग की जा रही थी, जिसे आज पूरा किया गया। महापौर ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि गर्मी के दिनों में लो-प्रेशर के कारण जल समस्या को ध्यान में रखते हुए, वार्ड पार्षद की मांग पर उच्च क्षमता की पानी टंकी निर्माण कार्य को स्वीकृति दे दी गई है, जिसका कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। उन्होंने वार्ड की जनता को जागरूक बताते हुए पार्षद लीना दिनेश देवांगन को एक सक्रिय, समर्पित एवं विकासोन्मुख पार्षद बताया, जो अपने वार्ड के साथ-साथ पूरे शहर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर, एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे, चंद्रशेखर चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, काशीराम कोसरे, लीलाधर पाल सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। महापौर के आगमन पर वार्ड पार्षद श्रीमती लीना दिनेश देवांगन के नेतृत्व में नागरिकों द्वारा आरती, तिलक एवं पुष्पहार से जोरदार स्वागत किया गया तथा विकास कार्यों की सौगात देने पर आभार व्यक्त किया गया। भूमिपूजन कार्यक्रम में बूथ अध्यक्ष उत्तम साहू, मंजूषा तिवारी, अमरिका निर्मलकर, सरस्वती शर्मा, सुनीता देवांगन, राधा चंद्राकर, कांति बाई गुप्ता, हीरा बाई चंद्राकर आदि लोग थे।

शंकराचार्य महाविद्यालय में तनाव मुक्ति पर कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। श्री शंकराचार्य महाविद्यालय में तनाव मुक्ति पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता अंतरराष्ट्रीय क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट गुरलीन चाने थीं। उन्होंने तनाव की विस्तृत परिभाषा देते हुए उससे निपटाने का आसान तरीके बताए। उन्होंने कहा कि तनाव से भागें नहीं बल्कि उसके पहचानकर स्वीकार करें और कम करने के उपाय करें। सुश्री गुरलीन ने बताया कि तनाव का स्रोत आपके शरीर या मन में हो सकता है। पर इसका असर आपके पूरे व्यक्तित्व पर पड़ता है। यदि आपके शरीर के किसी अंग में कोई दिक्कत हो तो आपका मन भी उससे जुड़ जाता है। जब तनाव बढ़ता है तो व्यवहार भी बदलने लगता है जिसका प्रभाव आपके आसपास रहने वाले लोगों के साथ आपके संबंधों पर भी पड़ता है।

उन्होंने विद्यार्थियों एवं व्याख्याताओं तथा प्राध्यापकों को कुछ आसान से अभ्यास करवाकर उन्हें हैप्पी हॉरमोन्स रिलीज करने के तरीके बताए। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुषमा दुबे ने किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अर्चना झा, अकादमिक डीन डॉ दुर्गा प्रसाद राव, पत्रकार दीपक रंजन दास, व्याख्याता एवं प्राध्यापकों के अलावा शिक्षा संकाय के प्रशिक्षणार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इसके बाद संडे कैम्पस के सहयोग से एक विचारगोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें सुश्री गुरलीन चाने के साथ प्राचार्य डॉ अर्चना झा, मनोविज्ञान की प्राध्यापक द्वय डॉ गायत्री जय मिश्रा एवं डॉ कंचन सिन्हा के अलावा डॉ सुषमा दुबे, डॉ जयश्री वाकणकर ने सहभागिता की। इस सत्र का संचालन संडे कैम्पस के माडरेटर दीपक रंजन दास ने किया।

भिलाई टाउनशिप के 2 प्रमुख मार्गों का चौड़ीकरण, नगरवासियों को समर्पित

भिलाई। टाउनशिप में यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित एवं आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में (पंथी चौक से नेहरू नगर फ्लाईओवर तक) तथा मिराज सिनेमा से कोतवाली एवं ओपन एयर थियेटर तक के प्रमुख एवं व्यस्त मार्गों का चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य 30 जनवरीको सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। इस उपलक्ष्य पर लोकार्पण कार्यक्रम में भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार द्वारा इन अवसंरचनात्मक विकास कार्यों को भिलाई टाउनशिप के नागरिकों को समर्पित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता ने किया।

उल्लेखनीय है कि इन मार्गों की चौड़ाई को पूर्व की 7 मीटर से बढ़ाकर 14 मीटर किया गया है, जिससे यातायात प्रवाह में व्यापक सुधार हुआ है। पंथी चौक से नेहरू नगर फ्लाईओवर तक लगभग 1.70 किलोमीटर लंबे मार्ग पर कंक्रीट रोड डिवाइडर का निर्माण किया गया है, साथ ही आधुनिक विद्युत प्रकाश व्यवस्था भी स्थापित की गई है। इसके अतिरिक्त, इस मार्ग पर पाँच नई पुलियाओं का निर्माण भी किया गया है। नगरवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध होगी व साथ ही क्षेत्र में लंबे समय से बनी रहने वाली ट्रैफिक जाम की समस्याओं से नागरिकों को राहत मिलेगी तथा आवागमन अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित होगा। नगर सेवाएं विभाग के महाप्रबंधक विष्णु पाठक, महाप्रबंधक डॉ. एनके जैन, उप महाप्रबंधक डीसी सिंह व सहायक महाप्रबंध सरोज झा, कमरुद्दीन, विवेक गुप्ता, रणवीर पुन, अजय साहू सहित अनेक अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN® TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

ईसलनार हाईस्कूल की 19 छात्राओं को मिला सायकल

कोंडागांव। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने नि:शुल्क सरस्वती सायकल वितरण योजना अंतर्गत आज ग्राम पंचायत ईसलनार के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की 19 छात्राओं को सायकल वितरण किया गया। साथ ही पांच लाख रुपए की लागत से पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। कैरम, बॉलीबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट किट आदि अन्य आवश्यक खेल सामग्री का वितरण किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा 03 हितग्राहियों को सहायक उपकरण प्रदान किया गया, इनमें जैतराम सोरी को श्रवण यंत्र, चौतीबाई को छड़ी और बाइसराम को ट्राइसिकल मिला।

फुटबॉल लीजेंड बाईचुंग भूटिया ने बढ़ाया बच्चों का हौसला

कोरबा। फुटबॉल के महान खिलाड़ी और पूर्व अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइकर बाईचुंग भूटिया ने शहर के इंदिरा स्टेडियम में आयोजित विशेष बाल फुटबॉल कार्यक्रम में स्कूली बच्चों और युवा खिलाड़ियों ने अपने पसंदीदा खिलाड़ी का जोरदार स्वागत किया। बाईचुंग भूटिया ने खिलाड़ियों से संवाद करते हुए अनुशासन, मेहनत, टीमवर्क और खेल भावना का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि सही मार्गदर्शन और निरंतर अभ्यास से खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकते हैं। बच्चों के साथ अभ्यास सत्र और छोटे मुकाबलों में भाग लेकर भूटिया ने नन्हे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

गरियाबंद में लगेगा नि:शुल्क बायोनिक हाथ वितरण शिविर

गरियाबंद। अस्थि बाधित दिव्यांगजनों को नि:शुल्क कृत्रिम (बायोनिक) हाथ प्रदान करने के लिए राज्य स्तरीय शिविर का आयोजन जाएगा। इस योजना के अंतर्गत केवल वे दिव्यांग हितग्राही पात्र होंगे। जिनका हाथ कोहनी से नीचे, अर्थात कोहनी और कलाई के बीच कटा हुआ है। इच्छुक एवं पात्र दिव्यांगजन संबंधित जनपद पंचायत, नगरीय निकाय अथवा जिला कार्यालय समाज कल्याण विभाग, कक्ष क्रमांक 11 में आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए लीला राम ध्रुव से मोबाइल नंबर 62658-07116 पर संपर्क कर सकते है।

राज्य स्तरीय पैरा ओलंपिक एथेलेटिक्स में प्रथम रहे देवराम

बालोद। जिले के ग्राम पेरपार के दिव्यांग खिलाड़ी देवराम पटेल ने राज्य स्तरीय पैरा ओलंपिक एथेलेटिक्स में आयोजित तीन खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर प्रथम स्थान हासिल किया है। संयुक्त जिला कार्यालय में आज कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने दिव्यांग खिलाड़ी देवराम पटेल की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा आगामी दिनों में होने वाले खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने शुभकामनाएं दी। पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित 16वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय पैरा ओलंपिक एथलेटिक चैंपियनशिप 2025-26 में दिव्यांग खिलाड़ी देवराम पटेल ने तीन अलग-अलग स्पर्धाओं में प्रथम स्थान हासिल किया है। उन्होंने अपनी शारीरिक बाधाओं को पीछे छोड़ते हुए अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन करते हुए जैवलीन थ्रो (भाला फेंक), डिस्कस थ्रो (चक्का फेंक) एवं शॉट पुट (गोला फेंक) में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान कर बालोद जिले को गौरावान्वित किया है।

गांधीडीह, लोरमी क्षेत्र की छात्राओं को मिला सुसज्जित छात्रावास, बेटियों की राह हुई आसान

श्रीकंचनपथ समाचार

मुंगेली। लोरमी के गांधीडीह क्षेत्र में कन्या शिक्षा को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल के अंतर्गत 04 कन्या छात्रावासों का एक ही परिसर में निर्माण पूर्ण करा लिया गया है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के कुशल मार्गदर्शन में इन छात्रावासों का विधिवत शुभारंभ 01 जनवरी 2026 से किया जा चुका है, जिसके पश्चात छात्रावास में कक्षा पहली से लेकर कालेज तक की छात्राएं आवासरत हैं।

यह पहल न केवल छात्राओं की आवासीय समस्या का समाधान है, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास की दिशा में एक ठोस पहल भी है। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त शिवकुमार बांधे ने बताया कि पूर्व में छात्राओं को किराए के भवनों में रहना पड़ता था, जहां मूलभूत सुविधाओं की कमी व जगह का अभाव होने के कारण स्वीकृत सीट के अनुरूप छात्राओं को प्रवेश नहीं मिल पाता था।

अब स्वयं के भवन में संचालन होने से पर्याप्त स्थान, स्वच्छता, सुरक्षा, पेयजल, शौचालय, अध्ययन कक्ष एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं संतोषजनक रूप से उपलब्ध हो पाएगी। इसका सीधा प्रभाव छात्राओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और मानसिक विकास में एक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

शासन की पहल पर नव-निर्मित कन्या छात्रावासों में छात्राओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उच्च गुणवत्तापूर्ण निर्माण और सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। इन छात्रावासों में सुरक्षित एवं स्वच्छ आवास, पर्याप्त प्रकाश और वेंटिलेशन, शुद्ध पेयजल एवं स्वच्छ शौचालय, अध्ययन हेतु शांत एवं अनुकूल वातावरण के साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से बेहतर प्रबंध जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे छात्राएं अब निश्चिंत होकर अपनी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

यह परियोजना केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कन्या शिक्षा को प्रोत्साहित करने, विद्यालय छोड़ने की दर को कम करने तथा ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। सुरक्षित छात्रावास की उपलब्धता से अभिभावकों का भरोसा भी बढ़ा है, जिससे अधिक संख्या में बालिकाएं शिक्षा से जुड़ सकेंगी।

ये है उद्देश्य

- शाला त्यागी बेटियों की संख्या में कमी लाने की कोशिश, ताकि सबको मिले अवसर
- अध्ययन के लिए बेहतर परिवेश निर्माण की कोशिश
- छात्रावास में बेटियों की सुरक्षा का रखा जाएगा विशेष ध्यान
- शारीरिक एवं मानसिक विकास में होगा सहयोगी

पर्यटन और एडवेंचर स्पोर्ट्स से युवाओं को मिल रहे रोजगार के नवीन अवसर : मुख्यमंत्री श्री साय

- मुख्यमंत्री ने 10 रूपए की टिकट कटाकर मयाली नेचर कैंप में लिया एडवेंचर स्पोर्ट्स का आनंद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अलग अंदाज में नजर आए और उन्होंने 10 रूपए का टिकट कटाकर जिले के लोकप्रिय पर्यटन स्थल मयाली नेचर कैंप में साहसिक खेल गतिविधियों का आनंद लिया और कई नए एडवेंचर स्पोर्ट्स की औपचारिक शुरुआत भी की।

मुख्यमंत्री ने प्रवेश शुल्क अदा कर नेचर कैंप में प्रवेश करते हुए आम नागरिकों को नियमों के पालन और समानता का एक सशक्त संदेश दिया।

इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी कौशल्या साय, विधायक गोमती साय, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी एवं खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान नेचर कैंप में विकसित अधोसंरचनाओं, सुरक्षा व्यवस्था, पर्यटकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रकृति-आधारित पर्यटन एवं साहसिक गतिविधियां न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देती हैं, बल्कि स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी सृजित करती हैं।

मुख्यमंत्री ने 4 नए एडवेंचर स्पोर्ट्स का किया शुभारंभ

मयाली नेचर कैम्प

मुख्यमंत्री श्री साय ने मयाली नेचर कैंप में संचालित स्पोर्ट्स मोटर बाइक (एटीवी) को स्वयं चलाकर साहसिक पर्यटन का आनंद लिया। इसके साथ ही उन्होंने बंदूक से सटीक निशाना साधते हुए बैलून शूटिंग का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने आर्चरी शूटिंग में तीर चलाकर निशाना साधा और इस खेल की भी शुरुआत की। साथ ही उन्होंने माउंटेन साइक्लिंग का शुभारंभ करते हुए स्वयं साइकिल चलाकर स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। नेचर कैंप में वॉल क्लाइंबिंग बोर्ड का उद्घाटन भी मुख्यमंत्री के द्वारा किया गया।

इस दौरान वॉल क्लाइंबर तेज सिंह एवं तेजल भगत ने मुख्यमंत्री के समक्ष वॉल क्लाइंबिंग कर अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जिसकी मुख्यमंत्री ने सराहना की। मुख्यमंत्री श्री साय बॉक्स क्रिकेट में भी हाथ आजमाते हुए नजर आए और स्टेट ड्राइव व ऑफ साइड पर आकर्षक शॉट लगाए। मुख्यमंत्री ने मयाली नेचर कैंप स्थित कैक्टस गार्डन का अवलोकन किया, जहां विभिन्न प्रजातियों के कैक्टस लगाए गए हैं वनमंडलाधिकारी शशि कुमार ने कैक्टस के औषधीय महत्व की जानकारी दी।

पहचान भले ही अलग हो लेकिन सभी राज्यों की आत्मा एक भारत में हैं: राज्यपाल श्री डेका

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में आज राजभवन में 6 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्री डेका ने कहा कि सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की पहचान भले ही अलग-अलग हो लेकिन इन सब की आत्मा एक भारत में है।

केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक दूसरे का स्थापना दिवस मनाते है। इसी कड़ी में आज लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में आंध्रप्रदेश, चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, झारखंड और नागालैण्ड राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर श्री डेका ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न राज्यों की भाषा, संस्कृति, परंपराओं और प्रथाओं के ज्ञान का आदान-प्रदान करना है जो आपसी समझ और सद्भाव को बढ़ावा देगा, जिससे भारत की एकता और अखंडता मजबूत होगी। इस परिप्रेक्ष्य में आज का कार्यक्रम एक गौरवपूर्ण क्षण है।

उन्होंने कहा कि हर राज्य का स्थापना दिवस, उस राज्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन होता है। राज्य की समृद्धि और विकास का गवाह यह दिन हमें अपने राज्य की स्थापना के मूल उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का रास्ता दिखाता है। इन राज्यों का स्थापना दिवस, केवल उनके विकास की यात्रा का उत्सव नहीं है बल्कि भारत की विविधता और एकता का प्रतीक है।

उन्होंने विभिन्न राज्यों की विशेषताओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि देश के विकास में आंध्रप्रदेश का शानदार योगदान है।

यह राज्य मछली के लिए प्रसिद्ध है। यह तिरूपति बालाजी की देव भूमि है। इसी तरह पंजाब वीरों की भूमि है। गुरूतेग बहादुर के बलिदान को सब जानते है।

भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व समुदाय में पंजाबियों का बहुत योगदान है। हरियाणा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह राज्य प्राचीन परंपरा का मूलभूत केंद्र है। यह वही भूमि जहां से महाभारत का संदेश पूरी मानवता तक पहुंचा। झारखण्ड राज्य खनिज का हब है। चंडीगढ़ बहुत सुंदर और नियोजित प्रदेश है। नागालैण्ड बहुत खूबसुरत राज्य है। यहां की जनजातीय संस्कृति अत्यंत समृद्ध है। इस राज्य के लोगों की बहादुरी की कहानियां दुसरों को प्रेरित करती हैं।

समारोह में विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने अपने राज्यों की विशेषताओं, परंपरा, संस्कृति पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न राज्यों की संस्कृति एवं लोक परंपरा आधारित संस्कृति कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी।

विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में विधायक पुरंदर मिश्रा, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना सहित अन्य अधिकारी, वनवासी आश्रम की छात्राएं, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सौ दिवसीय बाल-विवाह मुक्त भारत अभियान का तृतीय चरण हुआ प्रारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 100 दिवसीय कार्यक्रम के तृतीय चरण में जिले में जनजागरूकता की व्यापक शुरुआत की गई है। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के निर्देशानुसार बाल विवाह के विरुद्ध जन अभियान के तहत ग्राम पंचायतों एवं नगरपालिका वार्डों के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन 01 फरवरी 2026 से 08 मार्च 2026 तक किया जा रहा है।

2 फरवरी को ग्राम पंचायत गोल्लागुड़ा से अभियान की शुरुआत की गई। आयोजित कार्यक्रम में आमजनों को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया तथा बाल अधिकारों, किशोर-किशोरियों के स्वस्थ भविष्य एवं संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की विस्तृत जानकारी, बाल विवाह के कानूनी परिणाम, बालिकाओं के शिक्षा अधिकार, स्वास्थ्य एवं पोषण से संबंधित लाभकारी योजनाओं तथा बाल संरक्षण हेतु शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। साथ ही ग्रामीण समुदाय, अभिभावकों, महिला समूहों एवं युवाओं से अपील की गई कि वे बाल विवाह न करें तथा कहीं भी बाल विवाह की सूचना तत्काल संबंधित विभाग को दें।

उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बताया कि बाल विवाह न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि यह बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षणिक विकास में गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग से बाल विवाह उन्मूलन में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। उपस्थित ग्रामीणों, महिलाओं, किशोर-किशोरियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने अभियान के प्रति सकारात्मक रुख प्रदर्शित करते हुए बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण हेतु पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया।

योजनाओं के प्रचार-प्रसार में मीडिया की भूमिका अहम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायपुर प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ-ग्रहण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहन तिवारी सहित समस्त कार्यकारिणी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर प्रेस क्लब का इतिहास अत्यंत समृद्ध रहा है। यह देश के पुराने एवं प्रतिष्ठित प्रेस क्लबों में से एक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनिर्वाचित पदाधिकारी प्रेस क्लब की गरिमा और प्रतिष्ठा को और ऊँचाइयों तक ले जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी हैं। पत्रकार समाज के प्रति सजग रहते हुए साहस के साथ गरीबों, वंचितों और आमजन की आवाज को बुलंद करते हैं। साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने में

मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार पत्रकार कठिन एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करते हैं। हमारी बहन-बेटियाँ भी पत्रकारिता के क्षेत्र में पूरी जिम्मेदारी और साहस के साथ अपनी भूमिका निभा रही हैं, जो समाज के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार सदैव चौथे स्तंभ की स्वतंत्रता और अधिकारों की पक्षधर रही है। गत वर्ष के बजट में पत्रकारों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। पत्रकारों के विभिन्न समूहों को अध्ययन एवं भ्रमण के लिए देश के अलग-अलग स्थानों पर भेजा गया, जिसमें महिला पत्रकार भी शामिल रहीं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों द्वारा लौटकर साझा किए गए अनुभव अत्यंत सकारात्मक और प्रेरणादायक रहे।

फेक न्यूज के बढ़ते चलन पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इस पर विचार और समाधान की आवश्यकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस दिशा में पत्रकार समुदाय द्वारा सकारात्मक पहल की जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि पत्रकारों के साथ राज्य सरकार पूरी मजबूती से खड़ी है तथा प्रेस क्लब अध्यक्ष द्वारा रखी गई मांगों पर सरकार सकारात्मक रूप से विचार करेगी।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकार समाज के अभिन्न अंग हैं। पत्रकारों द्वारा उठाए गए विषय सदैव समाजहित से जुड़े होते हैं और उनसे शासन-प्रशासन को समाज की वास्तविक जरूरतों को समझने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि सरकार हर विषय पर पत्रकारों के साथ है और रायपुर प्रेस क्लब के सुदृढ़ विकास के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

भखारा, लवन, सकरी और आरकेे में नए उप पंजीयक कार्यालय

रायपुर। प्रदेश में आम नागरिकों को रजिस्ट्री एवं पंजीयन से जुड़ी सेवाएं सहज, सुलभ और समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। रजिस्ट्रीकरण अधिनियम-1908 के प्रावधानों के तहत भखारा (जिला धमतरी), लवन (तहसील मुख्यालय, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा), सकरी एवं राजकिशोर नगर (बिलासपुर) में चार नवीन उप पंजीयक कार्यालय खोलने के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

धमतरी जिला के भखारा में नवीन उप पंजीयक कार्यालय खोलने हेतु प्रशासकीय स्वीकृत दी गई है। इसी प्रकार जिला पंजीयक बलौदाबाजार-भाटापारा के अंतर्गत तहसील मुख्यालय लवन और बिलासपुर जिले के राजकिशोर नगर एवं सकरी में उप पंजीयक कार्यालय खोलने प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किया गया है। इन नए उप पंजीयक कार्यालयों के खुलने से संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को रजिस्ट्री कार्य के लिए दूरस्थ जिला मुख्यालयों तक नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और धन की बचत होगी, भीड़ कम होगी।

नेशनल अवॉर्ड विजेता विक्रांत मैसी बनें प्रोड्यूसर लव स्टोरी फिल्म मुसाफिर कैफे से करेंगे धमाका

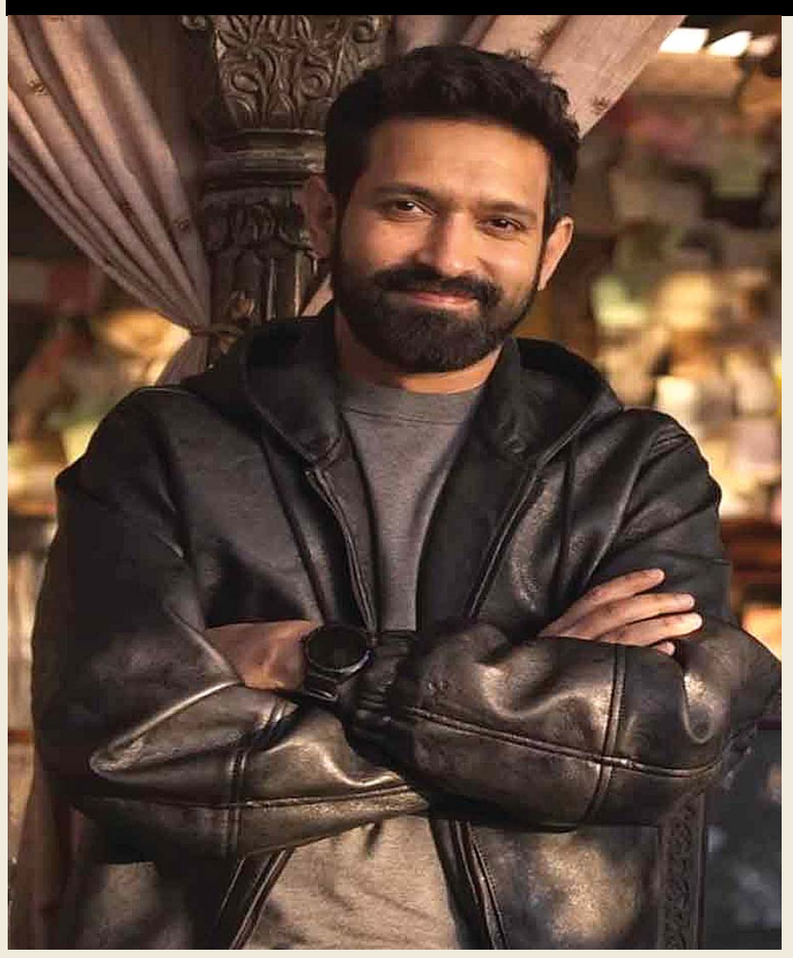

नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेता विक्रांत मैसी, जो अपनी शानदार एक्टिंग और कंटेंट-फुल फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब अपनी क्रिएटिव जर्नी में नया कदम रख रहे हैं। वह अपनी आने वाली फिल्म मुसाफिर कैफे के साथ प्रोड्यूसर बन रहे हैं। अपनी पीढ़ी के बेहतरीन एक्टर्स में गिने जाने वाले मैसी हमेशा ऐसी कहानियां चुनते हैं जो भावनात्मक, सामाजिक और इंसानी हों, इसलिए प्रोडक्शन में कदम रखना उनके लिए बिलकुल नेचुरल है।

मुसाफिर कैफे के साथ विक्रांत मैसी कहानी के हर पहलू में खुद को और करीब से जोड़ना चाहते हैं और ऐसी कहानियों को सामने लाना चाहते हैं जो ईमानदार, जमीन से जुड़ी और असली जिंदगी के अनुभवों पर आधारित हों. यह रोमांटिक ड्रामा दिव्या प्रकाश दुबे के उपन्यास पर आधारित है, जो इसकी कहानी और भावनाओं को और मजबूत बनाता है।

अपने करियर के इस नए और खास अध्याय के बारे में बात करते हुए विक्रांत ने कहा, यह मौका मेरे लिए बिलकुल सही लगा, इतने शानदार क्रिएटर्स और टैलेंट के साथ काम करना और एक ऐसे क्षेत्र में कदम रखना जो उतना ही रोमांचक और ईमानदार लगता है। यह यात्रा अभी शुरू ही हुई है, और मुझे जो भरोसा और प्रोत्साहन मिला उसके लिए मैं सच में बहुत आभारी हूं।

मुसाफिर कैफे प्यार, हीलिंग और खुद को समझने जैसी बातें दिखाता है और अपनी भावनाओं और असलियत के जरिए दर्शकों को जोड़ना चाहता है। यह दिखाता है कि मैसी सिर्फ अच्छी कहानियों में एक्ट नहीं करना चाहते, बल्कि उन्हें पीछे से सपोर्ट और शेप भी करना चाहते हैं। प्रोड्यूसर बनकर वह ऐसी फिल्मों के लिए अपनी कमिटमेंट दिखा रहे हैं, जो मजबूत कहानी, अलग अंदाज़ और असरदार स्टोरीटेलिंग पर ध्यान देती हैं।

मुसाफिर कैफे विक्रांत मैसी के लिए एक नए क्रिएटिव चैप्टर की शुरुआत है और उन्हें एक ऐसे स्टोरीटेलर के रूप में पेश करता है जो सोच-समझकर, लंबे समय तक असर रखने वाली फिल्में बनाना चाहते हैं, जो दर्शकों से गहरा कनेक्शन बना सकें।

मोनालिसा की फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर का पहला लुक आया सामने दिखी पुरानी वाली मासूमियत

महाकुंभ 2025 में करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच एक साधारण सी लड़की अचानक चर्चा का केंद्र बन गई थी नाम था मोनालिसा। माला बेचते हुए उनकी सादगी और खूबसूरती ने लोगों का ध्यान खींचा और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो वायरल हो गए। महाकुंभ के दौरान फिल्ममेकर सनोज मिश्रा की नज़र मोनालिसा पर पड़ी। उनकी सादगी और मासूमियत ने डायरेक्टर को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने मोनालिसा को अपनी फिल्म में कास्ट करने का फैसला कर लिया।

अब मोनालिसा अपनी पहली बड़ी फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' की शूटिंग पूरी कर चुकी हैं। इस फिल्म में वह अभिनेता अमित राव के साथ नजर आएंगी, जो राजकुमार राव के भाई हैं। महाकुंभ के लगभग एक साल बाद मोनालिसा एक बार फिर प्रयागराज लौट रही हैं। इस बार वह माघ मेले में माला बेचने के लिए नहीं, बल्कि एक उभरती हुई बॉलीवुड अभिनेत्री के रूप में पहुंचेंगी। उनके लिए यह वापसी भावनात्मक भी है और ऐतिहासिक भी। सनोज मिश्रा, जो 'गांधीगीरी' और 'शशांक' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद टीम मां गंगा का आशीर्वाद लेने प्रयागराज पहुंचेगी, जिससे इस सफर को एक आध्यात्मिक पूर्णता मिलेगी। डायरेक्टर के मुताबिक, 'द डायरी ऑफ मणिपुर' की शूटिंग कई चरणों में पूरी की गई। पहले शेड्यूल की शूटिंग उत्तर प्रदेश के इटावा में हुई, फिर टीम मणिपुर पहुंची, जहां अलग-अलग लोकेशन्स पर अहम सीन फिल्माए गए।

इसके बाद नेपाल में एक शेड्यूल पूरा किया गया और फिल्म का बड़ा हिस्सा देहरादून में शूट हुआ। पिछले हफ्ते फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली गई। डायरेक्टर ने बताया कि मोनालिसा को अभी भी भाषा और उच्चारण में दिक्कत आती है। इसी वजह से फिल्म में उनके किरदार के लिए डबिंग का इस्तेमाल किया गया है। हालांकि इसके बावजूद उनकी एक्टिंग को लेकर डायरेक्टर बेहद संतुष्ट हैं और मानते हैं कि वह पूरी तरह से अपने रोल में ढल चुकी हैं।

योगी दा में बिना किसी बॉडी डबल के सभी स्टंट मैंने खुद किए - साई धनशिका

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री साई धनशिका अपनी अपकमिंग फिल्म योगी दा की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। साई फिल्म में एक्शन करती नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि फिल्म योगी दा में सभी स्टंट खुद किए हैं। उन्होंने बताया कि बिना किसी बॉडी डबल के एक्शन सीन पूरे किए महिलाएं चाहें तो पुरुषों जितने शानदार स्टंट कर सकती हैं।

एक इवेंट में साई धनशिका ने बताया, मैंने पहली बार पेरानमाई में एक्शन किया था और वह अनुभव आज भी मेरी मदद करता है। योगी दा में हर स्टंट सीन मैंने खुद किए हैं, बिना किसी बॉडी डबल के। अगर महिलाएं मन बना लें, तो वे पुरुषों की तरह ही अच्छे स्टंट कर सकती हैं। उन्होंने फिल्म के संदेश पर जोर देते हुए कहा, आज महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। समाज अक्सर सोचता है कि एक बार अगर कोई महिला शारीरिक रूप से घायल हो जाए, तो वह फिर कभी खड़ी नहीं हो सकती। लेकिन योगी दा दिखाती है कि वह इससे उबर सकती है और मजबूत होकर वापस आ सकती है। हमने यह फिल्म महिलाओं के लिए, उनकी पूरी क्षमता दिखाने के लिए बनाई है।साई धनशिका ने फिल्म के टाइटल की रोचक कहानी भी साझा की।

उन्होंने कहा कि योगी दा का नाम सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कबाली से प्रेरित है। मैंने कबाली में रजनीकांत सर की बेटी का किरदार निभाया था, जिसका नाम योगी था। इसी से योगी दा की शुरुआत हुई। हमने कबाली के

लुक और एक्शन स्टाइल में समानताएं देखीं, इसलिए यह नाम चुना। कबाली के लिए मैंने असल में अपने बाल कटवाए थे, लेकिन इस फिल्म के लिए विग का इस्तेमाल किया।

कबाली के बाद कई महिलाओं ने मेरे किरदार से प्रेरित होकर बाल कटवाए थे। तब मुझे एहसास हुआ कि एक फिल्म लोगों पर कितना गहरा असर डाल सकती है। एक्ट्रेस ने अपनी पूरी टीम को दिल से धन्यवाद देते हुए कहा, मेरी पूरी टीम को बहुत-बहुत शुक्रिया। यह आप सबके बिना संभव नहीं होता।

आलिया भट्ट ने दृश्यम 2 निर्देशक अभिषेक पाठक से मिलाया हाथ

अभिनेत्री आलिया भट्ट आगामी फिल्म एल्फा को लेकर चर्चा में हैं जो इसी साल रिलीज होगी। खबर है कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म के लिए कमर कस ली है। अभिनेत्री एक हाई-वोल्टेज ड्रामा प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रही हैं, जिसके लिए उन्होंने निर्देशक अभिषेक पाठक से हाथ मिलाया है। इस फिल्म का शीर्षक हाउसवाइफ होगा और आलिया को एक विवाहित महिला का किरदार निभाते देखा जाएगा। बता दें, अभिषेक ने अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 2 का निर्देशन किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, हाउसवाइफ नाम वाली इस फिल्म की कहानी एक विवाहित जोड़े के इर्द-गिर्द घूमेगी जिसमें आलिया एक गृहणी के किरदार में होंगी। फिल्म में मुख्य पुरुष किरदार के लिए राजकुमार राव से बातचीत चल रही है। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के लिए अपनी दिलचस्प तो दिखाई है, लेकिन अभी तक कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया है। अगर राजकुमार हामी भरते हैं, तो पहली बार फिल्मी पर्दे पर आलिया और राजकुमार की जोड़ी दिखाई देगी। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि आलिया हाउसवाइफ में सिर्फ अभिनय नहीं करेंगी, बल्कि अपनी कंपनी एटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंस और पैनोरमा स्टूडियोज के सहयोग से सह-निर्माता भी होंगी।

फिल्म की शूटिंग अगस्त या सितंबर, 2026 के बीच शुरू होने की संभावना है। तब तक निर्देशक दृश्यम 3 की शूटिंग पूरी कर लेंगे जिसके जरिए अजय की दमदार वापसी होगी। फिलहाल, आलिया लव एंड वार में व्यस्त चल रही हैं, जिसमें उनके साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी हैं।

सेब का स्वाद भारतीय पकवानों को बना देगा और लजीज, बार-बार खाने का करेगा दिल

सेब एक ऐसा फल है, जो स्वाद में बेहतरीन होता है और सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। आमतौर पर लोग सेब का जूस पीते हैं या फिर इसे कच्चा खाते हैं। हालांकि, इसके जरिए आप कई अनोखे और लजीज व्यंजन भी बना सकते हैं। इस लेख में हम आपको 5 स्वादिष्ट व्यंजनों की रेसिपी बताएंगे, जो सेब से बनती हैं। ये व्यंजन आपके घर में सभी को पसंद आएंगे और झटपट बन जाएंगे।

सेब का रायता

रायता भारतीय खान-पान की एक बेहतरीन साइड डिश है। आमतौर पर यह दही और सब्जियों से बनाया जाता है, लेकिन आप सेब से भी इसे तैयार कर सकते हैं। इसके लिए दही में कद्दूकस किया हुआ सेब मिला दें। इसके बाद इसमें भुना हुआ जीरा पाउडर, नमक और थोड़ा-सा काला नमक डाल दें। इसे अच्छे से मिलाकर ठंडा करें और खाने से पहले इसमें थोड़ा-सा हरा धनिया डालें। यह रायता आपके खाने को एक नया और चटपटा स्वाद देगा।

सेब की चटनी

आपने आम, पुदीने या नारियल की चटनियां तो कई बार बनाई होंगी। हालांकि, इस बार सेब की खट्टी-मीठी चटनी बनाकर परिवार वालों को खिलाएं। इसके लिए सेब को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन, हरी मिर्च, नमक और थोड़ा-सा नींबू का रस मिलाकर पीस लें। इसे आप चावल, पराठे, रोटी या फिर पकौड़े आदि जैसे किसी भी व्यंजन के साथ खा सकते हैं। इसका खट्टा-मीठा स्वाद आपको जरूर पसंद आएगा।

सेब का पुलाव

पुलाव तो सभी के घरों में बनता है, लेकिन अगर इसमें सेब का जायका जुड़ जाए तो मजा दोगुना हो जाता है। इसके लिए बासमती चावल को धोकर भिगो दें। इसी दौरान कढ़ाई में घी गर्म करके उसमें जीरा, तेजपत्ता और लौंग डालें। अब प्याज और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें, फिर इसमें कद्दूकस किया हुआ सेब मिलाएं और मसाले डालें। इसके बाद चावल और पानी डालकर पकाएं। यह पुलाव न केवल स्वादिष्ट होगा, बल्कि सेहतमंद भी होगा।

सेब की सब्जी

रोजाना एक ही तरह की सब्जियां खा-खा कर ऊब गए हैं तो सेब की सब्जी बना लें। इसके लिए प्याज और टमाटर का पेस्ट बनाकर तेल में भूनें। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर पका लें। अब मसाले डालकर पानी मिलाएं और उबाल आ जाने दें। इसके बाद इसमें कटे हुए सेब डालकर पका लें। थोड़ी देर पकाने के बाद इसमें नारियल का दूध मिलाएं। इसे आप रोटी या चावल के साथ खा सकते हैं।

सेब का हलवा

हलवा आम तौर पर सूजी या गाजर का बनता है, लेकिन सेब का हलवा भी लजीज होता है। इसके लिए कद्दूकस किए हुए सेब को घी में अच्छी तरह भून लें। इसके बाद इसमें दूध डालकर कुछ देर पकाएं। जब दूध आधा हो जाए तो उसमें चीनी मिलाएं और अच्छे से भूनें। इसके बाद इसमें इलायची पाउडर डालें और गैस बंद करें। इसे गाढ़ा होने तक ढकें और मेवे डालकर परोसें।

खास खबर

युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर, 11 एवं 12 फरवरी को प्लेसमेंट कैम्प आयोजित

महासमुंद। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र महासमुंद द्वारा राज्य के शिक्षित स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने 11 और 12 फरवरी 2026 को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 11 फरवरी को रोजगार कार्यालय परिसर, मचेवा महासमुंद में एवं 12 फरवरी को जनपद पंचायत बागबाहरा में प्रातः 11.00 बजे से 2.00 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसमें निजी क्षेत्र के नियोजक एसपीएसजी सिक्योरिटी रायपुर के द्वारा सिक्योरिटी गार्ड के 150 पद के लिए 10वीं उत्तीर्ण आवेदकों की भर्ती प्रतिमाह 12000 से 19000 की वेतनमान पर एवं स्वतंत्र माइक्रोफिन पीवीटी रायपुर द्वारा फील्ड ऑफिसर एवं कलेक्शन ऑफिसर के 40 पदों के लिए 10वीं व 12वीं उत्तीर्ण आवेदकों की भर्ती प्रतिमाह 12200 की वेतनमान पर की जाएगी। जॉब फेयर पर उपस्थित होने वाले इच्छुक एवं योग्य आवेदक निर्धारित तिथि एवं स्थल पर शैक्षणिक योग्यता की छायाप्रति के साथ उपस्थित हो सकते हैं।

किसान सम्मान निधि एवं कृषि योजनाओं के लाभ हेतु एग्रीस्टेक किसान पंजीयन अनिवार्य

बालोद। भारत सरकार द्वारा किसानों के डिजिटल किसान आईडी कार्ड बनाने हेतु एग्रीस्टेक के अंतर्गत पंजीयन अनिवार्य किया है। कृषि विभाग के उप संचालक ने बताया कि भविष्य में समस्त कृषि योजनाओं एवं पी.एम.किसान का लाभ प्राप्त करने के लिए किसान आईडी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अब संयुक्त खाता धारक सभी कृषकों का अलग-अलग फार्मर (डिजिटल किसान) आईडी बनाना आवश्यक है। यदि भूमि रिकार्ड में एक से अधिक व्यक्तियों के नाम दर्ज है तो प्रत्येक खाताधारक को अपना स्वतंत्र किसान आईडी बनवाना होगा। डिजिटल किसान आईडी के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, विभिन्न कृषि अनुदान, सेवा सहकारी समितियों में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय एवं कृषि ऋण जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा, किसान अपना डिजिटल किसान आईडी बनवाने के लिए बी-1, आधार कार्ड, आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नम्बर लेकर लोक सेवा केन्द्र अथवा सहकारी समितियों में संपर्क कर सकते है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिंघनगढ़ को प्रदेश में मिला दूसरा स्थान

कवर्धा। कबीरधाम जिले के विकासखंड सहसपुर लोहारा अंतर्गत संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिंघनगढ़ ने अपनी उत्कृष्ट सेवाओं और बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए प्रदेश स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कायाकल्प आयुष 2024 के तहत स्वच्छता, सुव्यवस्था और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए राज्य में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिंघनगढ़ पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कायाकल्प आयुष 2024 के तहत 1172 संस्थाओं को पछाड़कर दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिंघनगढ़ की पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में टीम की प्रतिबद्धता, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिंघनगढ़ ने स्वच्छता, सुव्यवस्थित व्यवस्था, मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार और गुणवत्तापूर्ण आयुष सेवाओं का उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत किया है, वह पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने आगे कहा कि कायाकल्प आयुष का उद्देश्य संस्थान की कार्यप्रणाली, रोगी संतुष्टि, औषधि उपलब्धता, उपचार की गुणवत्ता और समग्र स्वास्थ्य वातावरण को बेहतर बनाना है। कलेक्टर वर्मा ने चिकित्सा अधिकारियों, आयुष चिकित्सकों, फार्मासिस्ट, नर्सिंग स्टाफ एवं सहयोगी कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता पूरी टीमवर्क का परिणाम है।

ग्लोबल टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित होगा मयाली - साय

स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत जशपुर को मिली बड़ी सौगात, होम-स्टे, रिसोर्ट, पाथवे, लैंडस्केपिंग सहित आधुनिक पर्यटक सुविधाओं का होगा विकास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज भारत सरकार की स्वदेश दर्शन योजना 2.0 की उप-योजना सीबीडीडी के अंतर्गत स्वीकृत मयाली-बगीचा विकास परियोजना का मयाली नेचर कैंप में विधिवत भूमिपूजन किया। लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से क्रियान्वित इस परियोजना के तहत मयाली, विश्व प्रसिद्ध मधेश्वर पर्वत (विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग) तथा बगीचा स्थित कैलाश गुफा क्षेत्र में विभिन्न पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

यह परियोजना क्षेत्र की प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं जनजातीय विरासत के संरक्षण के साथ-साथ समुदाय आधारित पर्यटन को सशक्त बनाएगी। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और जशपुर जिले को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में नई पहचान मिलेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि मयाली-बगीचा विकास परियोजना जशपुर जिले के पर्यटन विकास के लिए एक ऐतिहासिक पहल है। आज मयाली के विकास की मजबूत नींव रखी गई है। मयाली अब पर्यटन मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है और आने वाले समय में यह एक वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मयाली की पहचान सदियों से मधेश्वर महादेव से जुड़ी रही है, जिसे विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग माना जाता है। इस विकास परियोजना के माध्यम से मधेश्वर पर्वत के धार्मिक एवं पर्यटन महत्व को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। परियोजना के अंतर्गत मयाली डेम के समीप पर्यटक रिसोर्ट एवं स्किल डेवलपमेंट सेंटर का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मयाली को एक समग्र इको-टूरिज्म और एडवेंचर डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां के जंगल, झरने, पहाड़ और समृद्ध आदिवासी संस्कृति को देश-दुनिया के पर्यटकों तक पहुंचाया जाएगा। पर्यटन से होने वाली आय का सीधा लाभ स्थानीय लोगों को मिलेगा। श्री साय ने कहा इसी उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा होम-स्टे नीति लागू की गई है, जिससे ग्रामीण परिवार पर्यटन गतिविधियों से सीधे जुड़कर आय अर्जित कर सकेंगे और पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति को नजदीक से जानने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आई है। स्किल डेवलपमेंट सेंटर में टूर गाइड, होटल सेवा, एडवेंचर स्पोर्ट्स, हस्तशिल्प एवं डिजिटल बुकिंग से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे न केवल पर्यटन बल्कि जशपुर की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधताओं को भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय की धर्मपत्नी कौशल्या साय, सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं पत्थलगांव विधायक गोमती साय, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, विभिन्न बोर्ड-निगमों के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विकास कार्यों से बदलेगी मयाली की तस्वीर, उभरेगा नया पर्यटन केंद्र

मयाली क्षेत्र को प्राकृतिक, धार्मिक एवं ग्रामीण पर्यटन के समग्र गंतव्य के रूप में विकसित किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत 5 पर्यटक कॉटेज, कॉन्फ्रेंस एवं कन्वेंशन हॉल, स्किल डेवलपमेंट सेंटर, भव्य प्रवेश द्वार, बाउंड्री वॉल, आधुनिक टॉयलेट सुविधा, लैंडस्केपिंग एवं पाथवे का निर्माण किया जाएगा। इन सुविधाओं से पर्यटकों के ठहराव एवं विभिन्न आयोजनों की बेहतर व्यवस्था होगी और रोजगार के अवसर सृजित होंगे। धार्मिक पर्यटन को सशक्त करने के लिए शिव मंदिर क्षेत्र में प्रवेश द्वार, टॉयलेट सुविधा, लैंडस्केपिंग एवं पाथवे का विकास किया जाएगा। वहीं बगीचा स्थित कैलाश गुफा परिसर में प्रवेश द्वार, पिकनिक स्पॉट, रेस्टिंग शेड, घाट विकास, पाथवे तथा सीढ़ियों एवं रेलिंग का जीर्णोद्धार किया जाएगा, जिससे पर्यटकों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक अनुभव मिलेगा। यह समस्त कार्य भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा संचालित स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत स्वीकृत मयाली-बगीचा विकास परियोजना के माध्यम से किए जाएंगे। परियोजना के पूर्ण होने से पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती तथा क्षेत्र की सांस्कृतिक-प्राकृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ ने रचा राष्ट्रीय कीर्तिमानः 10 माह में पूरा किया 5 लाख पीएम आवासों का निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर सुशासन, दृढ़ इच्छाशक्ति और परिणामोन्मुख प्रशासन का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की पहली ही बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था। निर्णय के परिपालन में राज्य के सभी जिलों के सतत, संगठित एवं अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत एक नया राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किया है।

चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में मात्र 10 माह 4 दिवस की अवधि में छत्तीसगढ़ में देश में सर्वाधिक 5 लाख प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि योजना के प्रारंभ से अब तक पहली बार छत्तीसगढ़ ने किसी एक वित्तीय वर्ष में 5 लाख आवासों के निर्माण का रिकॉर्ड कायम किया है। मानसून अवधि सहित औसतन प्रतिदिन 1,600 से अधिक आवासों का निर्माण कर राज्य ने समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और लक्ष्यबद्ध कार्य निष्पादन की नई मिसाल कायम की है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिलों की सक्रिय भागीदारी और स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक कार्य संस्कृति इस उपलब्धि का मजबूत आधार बनी है। इस क्रम में बिलासपुर जिले में 29 हजार 235, महासमुंद में 27 हजार 224, बलरामपुर में 27 हजार 12, कोरबा में 26 हजार 839 तथा रायगढ़ जिले में 26 हजार 707 आवासों का निर्माण पूर्ण कर इन जिलों ने राज्य की समग्र उपलब्धि में अग्रणी भूमिका निभाई है।इसके अतिरिक्त मस्तूरी, आरंग, डभरा, बिल्हा, पाली एवं जैजैपुर जनपद पंचायतों द्वारा भी 7,500 से अधिक प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण कर उल्लेखनीय योगदान दिया गया है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आवास निर्माण के साथ-साथ आजीविका सृजन को भी समान प्राथमिकता दी गई है। महिला स्व-सहायता समूहों से जुड़ी हजारों महिलाओं ने सीएलएफ बैंक से ऋण लेकर निर्माण सामग्री आपूर्ति का कार्य प्रारंभ किया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है। इस पहल के परिणामस्वरूप 8,000 से अधिक महिलाएँ 'लखपति दीदी' के रूप में आत्मनिर्भर बनकर उभरी हैं, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को कौशल से जोड़ने के उद्देश्य से राजमिस्त्री प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक जिलों में स्थित आरसेटी के माध्यम से 6,000 से अधिक हितग्राहियों को प्रशिक्षण दिया गया है, जिनमें 960 से अधिक महिलाएँ तथा 292 से अधिक आत्मसमर्पित नक्सली शामिल हैं।

प्रभावी क्रियान्वयन का स्पष्ट प्रमाण

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ द्वारा 5 लाख आवासों का निर्माण पूर्ण करना राज्य की प्रशासनिक क्षमता, मजबूत निगरानी व्यवस्था और जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन का स्पष्ट प्रमाण है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार ने गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर देने के लक्ष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आवास निर्माण के साथ-साथ आजीविका, कौशल प्रशिक्षण और महिला सशक्तिकरण को जोड़कर योजना को समग्र विकास का माध्यम बनाया गया है। यह राष्ट्रीय कीर्तिमान छत्तीसगढ़ की सुशासन पर आधारित विकास नीति की सफलता को दर्शाता है।

विजय शर्मा, उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2025 -26 में मात्र 10 माह की अवधि में छत्तीसगढ़ में 5 लाख आवासों का निर्माण पूर्ण होना, जो देश में सर्वाधिक है, छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। मैंने प्रथम कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति का निर्णय इसलिए लिया, ताकि राज्य का कोई भी गरीब और जरूरतमंद परिवार पक्के घर से वंचित न रहे। यह उपलब्धि राज्य सरकार की स्पष्ट नीति, प्रशासनिक समन्वय और जमीनी स्तर पर कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों की मेहनत का परिणाम है। मेरे लिए प्रधानमंत्री आवास केवल एक मकान नहीं, बल्कि गरीब परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य का आधार हैं, और इनके माध्यम से आजीविका के अवसर सृजित कर हम छत्तीसगढ़ को समावेशी और सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं।

विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन

ज्ञानोदय हबः शिक्षा से मजबूत होगी राष्ट्र निर्माण की बुनियाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के सड्डू में बन रहे ''ज्ञानोदय हब'' का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे। आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग विकास विभाग द्वारा तैयार किए जा रहे इस हब का उद्देश्य शिक्षा के जरिए राष्ट्र निर्माण की बुनियाद मजबूत करना है। ज्ञानोदय हब के शुभारंभ से राजधानी रायपुर में अनुसूचित जाति, जनजातीय, ओबीसी और कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर अवसर मिलेगा।

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने आज ज्ञानोदय हब सहित विभाग द्वारा संचालित किए जा रहे हॉस्टलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को कालीबाड़ी और पेंशनबाड़ा स्थित पुराने छात्रावासों के स्थान पर आधुनिक सुविधाओं से लैस नया चार-चार मंजिला हॉस्टल भवन तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड्डू और डूंडा में तैयार पांच हॉस्टल भवन का भी निरीक्षण किया। यहां लगभग एक हजार बच्चों को हॉस्टल में रहने के लिए सुविधाएं विकसित की गई है।

प्रमुख सचिव बोरा ने बताया कि राजधानी रायपुर में बनाए जा रहे इन हॉस्टलों में रहने वाले विद्यार्थियों को सिविल सर्विसेस, एनडीए, क्लेट, नेट, स्लेट, पीटी, पीएमटी, आईआईटी, मेडिकल सहित सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। सड्डू का पूरा परिसर लगभग 18 एकड़ तथा डूंडा का हॉस्टल परिसर 10 एकड़ से अधिक भूमि में विकसित किया गया है।

गौरतलब है कि नवनिर्मित हॉस्टलों में एकलव्य ड्रापर छात्रों के लिए कोचिंग हेतु 500 सीटर, ओबीसी बालक-बालिकाओं हेतु सौ-सौ सीटर, अनुसूचित जनजाति के बालिकाओं के व्यवसायिक शिक्षा, शोध एवं अन्य उच्च शिक्षा हेतु 250 सीट शामिल है। इसकी लागत 35 करोड़ 30 लाख 64 हजार रूपए है। इस मौके पर संयुक्त सचिव बी.एस. राजपुत, अपर संचालक आरएस भोई, ईई त्रिदीप चक्रवर्ती, सहायक आयुक्त शरदचन्द्र शुक्ला सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

समाज कल्याण विभाग की योजनाएं बनीं सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास का आधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग द्वारा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद व्यक्ति तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से निरंतर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता की भावना के साथ संचालित योजनाओं से वृद्धजनों, दिव्यांगजनों, विधवाओं, निराश्रितों एवं वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में उल्लेखनीय सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

सूरजपुर जिले में सामाजिक सहायता पेंशन योजना के अंतर्गत 70,014 हितग्राहियों को नियमित रूप से पेंशन का प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया जा रहा है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली के माध्यम से पेंशन वितरण में पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित हुई है। दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए जिले में अब तक 5,230 विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र जारी किए जा चुके हैं। इसके साथ ही 546 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए गए हैं, जिससे उनकी दैनिक गतिविधियों में आत्मनिर्भरता बढ़ी है। विशेष विद्यालयों एवं पुनर्वास केंद्रों के विस्तार से शिक्षा एवं पुनर्वास की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिले में वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। वहीं सियान हेल्पलाइन केंद्र के माध्यम से बुजुर्गों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। वृद्धाश्रम एवं नशामुक्ति देखभाल गृहों के माध्यम से निराश्रित एवं उपेक्षित व्यक्तियों को आश्रय, पहचान और पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय के फेस-2 का कार्य शीघ्र होगा प्रारंभः सोनमणि बोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का राज्योत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से लोकार्पण एवं छत्तीसगढ़ आदिवासी संग्रहालय का मई 2025 में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा लोकार्पण पश्चात, इनकी तेजी से बढ़ती लोकप्रियता के बाद अब शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय फेस-2 का कार्य शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा।

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने इस संबंध में आज आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नवा रायपुर स्थित सभाकक्ष में आर्किटेक्ट, इंजीनियर्स, आर्टिस्ट एवं विभागीय अधिकारियों के साथ आवश्यक बैठक कर कार्ययोजना के संबंध में जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रमुख सचिव बोरा ने बताया कि फेस-2 के अंतर्गत एक कैफेटेरिया, गढ़ कलेवा एवं अन्य दुकानें खोली जानी हैं इस संबंध में अंतिम रूपरेखा पर चर्चा की जा रही है। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया अनुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी। फेस-2 के अंतर्गत ही आकर्षक बागवानी, परिसर के भीतर स्थित नंद सागर का सौंदर्यीकरण, फॉउंटेन एवं पार्किंग की बेहतर व्यवस्था की जाएगी। बैठक में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में स्थित 100 सीटर छात्रावास के पास निर्माणाधीन कनवेशंन सेटर की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। इसके डिजाइन एवं लेआउट पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक संशोधन करने के निर्देश दिए। इसपर आगामी बैठक में चर्चा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस कनवेशंन सेटर में एक ऑडिटोरियम, आर्ट गैलरी, प्रदर्शनी हॉल, मीटिंग रूम, प्रशासनिक भवन, फूड कोर्ट इत्यादि की व्यवस्था रहेगी।

उल्लेखनीय है कि शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी, 2026 के अवसर पर आयोजित परेड में इस संग्रहालय को प्रदर्शित किया गया। इससे छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरे देश में जनजातीय वीर नायकों की अमर गाथाओं, उनकी देश भक्ति, अद्यम साहस और बलिदान की परंपरा को नई पीढ़ी को जानने समझने का अवसर राष्ट्रीय मंच पर प्राप्त हुआ। इस संग्रहालय के उद्घाटन के बाद तीन माह में लगभग एक लाख से अधिक पर्यटकों द्वारा भ्रमण कर लिया गया है।

बैठक में कांकेर एवं कोडांगांव में राजस्व/वन भूमि में निर्मित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के हस्तांतरण प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

बिल्डिंग ठेकेदार के घर 3 लाख की चोरी

दुर्ग। जिले में चार से ज्यादा चोरों ने बिल्डिंग ठेकेदार के घर में लाखों रुपए की चोरी को अंजाम दिया है। चोरों ने सोने-चांदी के जेवर और बड़ी रकम के कैश चोरी कर लिए। यह मामला अमलेश्वर थाना इलाके की है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी और अन्य सबूतों से आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ भी कर रही है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का दावा किया गया है। पीड़ित ने चोरी हुए जेवरात से जुड़े करीब 18 बिल भी पुलिस को दिए हैं। ग्राम मोतीपुर खम्हरिया रोड में रहने वाले राम स्वरूप साहू ने थाना अमलेश्वर में शिकायत दी है कि उनके घर से लाखों रुपए के जेवर और नकदी चोरी हो गए। उन्होंने बताया कि चोर घर के पीछे के दरवाजे से अंदर आए। मुख्य दरवाजे का लॉक टूटा नहीं था, लेकिन कमरे का लॉक टूटा हुआ मिला। घर के भीतर सामान बिखरा हुआ था और अलमारी का ताला तोड़कर कीमती सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए गए। पुलिस ने चोरी हुए सामान की कीमत करीब 3,18,070 रुपए आंकी है। चोरी में 34 सोने के जेवर, 14 चांदी के जेवर शामिल हैं। इसके अलावा लाखों रुपए कैश की भी चोरी होने की जानकारी दी गई है।

खेत में पहुंचा तेंदुए का शावक इलाके में मचा हड़कंप

नगरी। नगरी ब्लॉक के सिहावा-नगरी वनांचल क्षेत्र में खेतों के बीच तेंदुए का एक शावक मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई, वहीं वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर शावक को सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल सफारी, नया रायपुर भेज दिया। यह मामला बिरगुड़ी वन परिक्षेत्र के छिपली पारा गांव का है, जहां करीब 5 से 6 माह का तेंदुए का शावक श्रृंगी ऋषि पहाड़ी के नीचे स्थित जंगल से भटककर राजस्व क्षेत्र में पहुंच गया था। खेतों में शावक दिखते ही ग्रामीणों में दहशत फैल गई और तत्काल वन विभाग को सूचना दी गई। जांच में उसकी हालत सामान्य पाई गई, हालांकि वह पानी में भीगा हुआ था, जिससे उसके नाले या जलस्रोत से भटकने की आशंका जताई जा रही है। वन परिक्षेत्र अधिकारी सुरेंद्र कुमार अजय ने बताया कि शावक पूरी तरह स्वस्थ है।

सब्जी मंडी में मवेशी लोगों पर कर रहे हमला

दुर्ग। दुर्ग सब्जी मंडी इंदिरा मार्केट दुर्ग में शाम होते ही पशुओं का जमावड़ा बढ़ जाता है, जिससे आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सब्जियां खरीदने के दौरान कई बार लोग मवेशियों के हमले से घायल भी हो चुके हैं। नगर निगम के अफसरों को इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए ताकि आम लोगों की परेशानी दूर हो।

'गोगो पेपर' व हुक्का नेटवर्क पर पुलिस की मार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। युवाओं को नशे के जाल से बचाने दुर्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जिले के अलग अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस ने रेड कर गोगो पेपर, हुक्का सामग्री और भारी मात्रा में नशीला तंबाकू बरामद किया है। एसएसपी विजय अग्रवाल के निर्देश पर 35 से अधिक टीमों द्वारा एक साथ रेड कार्रवाई की गई। इस मामले में 16 दुकानदारों पर, कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई की है। इस दौरान पुलिस ने करीब 2 लाख रुपए की नशीली सामग्री जब्त की है।

दुर्ग पुलिस द्वारा युवाओं में बढ़ते नशे के प्रचलन, विशेषकर गांजा सेवन को रोकने के उद्देश्य से एक विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार 35 से अधिक पुलिस टीमों का गठन कर एक साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में समन्वित रेड कार्रवाई की गई। रेड कार्रवाई के दौरान यह बात सामने आई कि शहर के विभिन्न पान ठेले, गुमटियां एवं डेली नीड्स दुकानों पर गांजा पीने के लिए 'गोगो/रोलिंग पेपर', चिलम, हुक्का फ्लेवर एवं प्रतिबंधित जर्दायुक्त पान मसाला का अवैध रूप से विक्रय किया जा रहा है।

इसके बाद संयुक्त टीमों द्वारा नियमानुसार तलाशी लेकर करीब 2 लाख रुपए मूल्य के भारी मात्रा में गोगो रोलिंग पेपर, हुक्का फ्लेवर, चिलम एवं प्रतिबंधित जर्दायुक्त पान मसाला जब्त किया गया। शैक्षणिक संस्थानों के आसपास एवं सार्वजनिक स्थलों पर कोटपा एक्ट के उल्लंघन पर संबंधित दुकानों के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत इस्तगासा प्रस्तुत कर पृथक से प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई है। जब्त सामग्री की सप्लाई चेन का भी पता लगाया गया है, जिनके विरुद्ध आगामी वैधानिक कार्रवाई प्रस्तावित है।

कार्रवाई के दौरान मोहन नगर से 8, स्मृतिनगर से 5, नेवई से 2 एवं दुर्ग क्षेत्र से 1 दुकान पर रेड की गई। इस दौरान कुल 17 लोगों के खिलाफ काटपा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

आरोपियों का विवरण

अभिनंदन सिंह, उम्र 30 वर्ष, प्रगति नगर
चित्रांश साहू उर्फ सोनू, उम्र 23 वर्ष, रुआबांधा बस्ती,
विजेश बारवे, उम्र 44 वर्ष, मुखर्जी नगर, सिकोला भाठा, मोहन नगर
देवेन्द्र भोसले, उम्र 20 वर्ष, सिकोला भाठा, दुर्ग (सुनील पान)
शंकर लाल बंछोर, उम्र 65 वर्ष, संतराबाड़ी, मोहन नगर (बंछोर चाय पान जनरल)
संजय कुमार बडानी, उम्र 48 वर्ष, संतराबाड़ी, दुर्ग (संजय पान मसाला)
लोकेश कुमार साहू, उम्र 35 वर्ष, उरला, मोहन नगर (श्री गणेश किराना)
कुशाल प्रजापति, उम्र 30 वर्ष, तितुरडीह, नयापारा, मोहन नगर (बनारसी पान भंडार)
अर्जुन यादव, उम्र 46 वर्ष, सिकोला भाठा, मोहन नगर (यादव होटल)
राजकुमार महोबिया, उम्र 39 वर्ष, लुचकी पारा, दुर्ग (अजय पान पैलेस)
राजेश कुमार द्विवेदी, उम्र 57 वर्ष, पांच रास्ता, सुपेला (फायर पान पैलेस एवं डेली नीड्स, स्मृतिनगर)
मनोज कुमार चौहान, मॉडल टाउन, स्मृतिनगर (पार्वती किराना स्टोर्स)
त्रिवेणी साहू, उम्र 50 वर्ष, जुनवानी, स्मृतिनगर (पान ठेला, जुनवानी बस्ती)
लक्की चंदानी, उम्र 43 वर्ष, कादम्बरी नगर, मोहन नगर (शीतल डेली नीड्स, स्मृतिनगर)
भगवान साहू, हाउसिंग बोर्ड (गणेश पान दुकान, मॉल चौक, स्मृतिनगर/भिलाई)
विमल जसवानी, उम्र 23 वर्ष, सिंधी कॉलोनी, दुर्ग (कला प्रोविजन स्टोर्स, इंदिरा मार्केट)।

पड़ोसी ने 11 साल की बच्ची से किया दुष्कर्म, आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा में 11 साल की बच्चे से रेप किया गया है। पड़ोसी ने बच्ची को झाड़ियों में ले जाकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला बांगो थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी। तभी पड़ोसी बुधराम मरकाम उर्फ धनरसिया (42) उसे लकड़ी बीनने के बहाने पास की झाड़ियों में ले गया। वहीं उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया।

बच्ची चीखती हुई घर पहुंची और परिजनों को पूरी बात बताई। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके

बाद आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़ित बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

लकड़ी बीनने के बहाने ले गया था

एडिशनल एसपी लखन पटले ने बताया कि आरोपी बच्ची को लकड़ी बीनने के बहाने ले गया था और उसके साथ अनैतिक कृत्य किया। मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इस घटना से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और वे आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बताया गया है कि आरोपी का बच्ची के घर आना-जाना था और उनके बीच अच्छे संबंध थे।

खाना खिलाने के बहाने मासूम बच्ची से किया रेप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में 8 साल की बच्ची को किडनैप कर उससे रेप किया गया है। लड़की सिग्नल पर पैसे मांगकर गुजर बसर करती थी। इसी दौरान खाना खिलाने के बहाने कार सवार ड्राइवर ने उसे गाड़ी में बैठाया, फिर वीआईपी रोड पर ले जाकर वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से बुधवार-गुरुवार की रात 3 बजे आरोपी ड्राइवर नवीन को गिरफ्तार कर लिया है। मामला तेलीबांधा थाना इलाके का है।

बता दें कि 2 सप्ताह पहले भी 9 साल की बच्ची से रेप हुआ था। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में आरोपी अब्दुल अंसारी (65) ने अपने ही मोहल्ले की एक बच्ची का 5 दिनों तक रेप किया था। वह बच्ची को चॉकलेट देकर अपने साथ ले जाता और उससे रेप करता था।

दरअसल, तेलीबांधा स्थित सिग्नल पर नाबालिग लड़की वाहन चालकों से पैसे मांगकर गुजर बसर करती है। बुधवार की रात 9.30 बजे 2 नाबालिग अपने साथियों के साथ सिग्नल पर

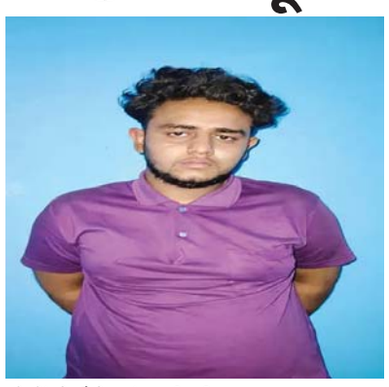

लोगों से पैसे मांग रही थी।

इस दौरान स्विफ्ट कार में सवार आरोपी नवीन (21) ने खाना खिलाने का झांसा देकर पीड़िता और उसकी सहली को गाड़ी में बिठाया, फिर ललित महल की ओर ले गया। सहेली को कुछ खाने का सामान लाने के लिए ललित महल के पास भेज दिया और कार को आगे ले जाकर लड़की से दुष्कर्म किया। बहुत देर तक नाबालिग अपने परिजनों के पास नहीं पहुंची तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

नाबालिग के परिजनों की सूचना पर एसीसीयू, तेलीबांधा थाने की टीम ने सीसीटीवी कैमरे के आधार पर जांच शुरू की। आरोपी की तलाश में पुलिस रात भर घूमती रही। आरोपी को सुबह 4 बजे पुलिसकर्मियों ने पकड़ लिया।

नाबालिग ने अपने साथ हुई आपबीती की जानकारी परिजनों को दी। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की तो उसने रेप की बात स्वीकार की है।

अपहरण और पास्को के तहत कार्रवाई

पुलिस ने अपहरण और दुष्कर्म सहित पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर सिलतरा निवासी आरोपी नवीन सोनी को हिरासत में लिया है। आरोपी ट्रेवल एजेंसी में ड्राइवर है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

सर्जरी के बाद युवक की हुई मौत परिजन बोले- इलाज में लापरवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

राउरकेला। गुरुवार को राउरकेला स्थित अपोलो अस्पताल में उस समय तनाव फैल गया, जब इलाज के दौरान एक युवक की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा और विरोध प्रदर्शन किया। मृतक के परिजनों ने चिकित्सा लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया, जिससे अस्पताल के सुरक्षा कर्मियों के साथ उनकी तीखी झड़प हो गई।

मृतक की पहचान 24 वर्षीय नीतीश अवतार के रूप में हुई है, जो शीतल नगर का निवासी था। परिजनों के अनुसार, करीब डेढ़

महीने पहले डीजल कॉलोनी क्षेत्र में सांड के हमले में नीतीश गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके बाद से उसका इलाज अपोलो अस्पताल में चल रहा था। परिजनों का कहना है कि बुधवार को नीतीश की सर्जरी की गई। ऑपरेशन से पहले अस्पताल प्रबंधन द्वारा उनसे एक निश्चित राशि जमा करने को कहा गया था। हालांकि, आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार समय पर पूरी रकम का इंतजाम नहीं कर सका। गुरुवार सुबह, 5 फरवरी को इलाज के दौरान नीतीश की हालत अचानक बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया।

शोकाकुल परिजनों ने आरोप लगाया कि समय पर और उचित इलाज नहीं दिया गया तथा आर्थिक तंगी को इलाज में देरी का कारण बनाया गया। इसको लेकर उनका गुस्सा प्रदर्शन में बदल गया और अस्पताल परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। इस दौरान मरीजों के परिजनों और सुरक्षा गार्डों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

मानिकपुर कोयला खदान में हादसा, 170 फीट गहरी खाई में गिरने से मजदूर की मौत

खदान क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठे सवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। एसईसीएल की मानिकपुर कोयला खदान में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। खदान के प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसे एक मजदूर की लगभग 170 फीट गहरी खाई में गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक कोयला चोरी के इरादे से खदान के भीतर दाखिल हुआ था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार मानिकपुर खदान से सटे ग्राम कुदारी

निवासी भगत कुमार मरावी (42 वर्ष) बुधवार दोपहर खदान क्षेत्र में गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वह कोयला चोरी करने के लिए खदान की गहराई में उतरने का प्रयास कर रहा था, इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे गड्ढे में जा गिरा। ऊंचाई से गिरने के कारण उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मानिकपुर चैकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि खदान में गिरने से एक मजदूर की मौत की घटना सामने आई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर खदान क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ट्रेन से गिरकर आडिशा के युवक की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिले के अभनपुर थाना क्षेत्र में ट्रेन से गिरने के कारण आडिशा के एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही अभनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मृतक रेलवे की परीक्षा देने ओडिशा से रायपुर आया था।

मिली जानकारी के अनुसार गोलाबंध नुआपाड़ा ओडिशा निवासी जय राम मांझी, पिता कोखसरिया मांझी, उम्र 21 वर्ष 4 फरवरी 2026 को रायपुर रेलवे स्टेशन से शाम करीब 4 बजे रायपुर से अभनपुर जाने के लिए ट्रेन का टिकट लेकर रवाना हुआ। मृतक की जेब से मिले टिकट से इस बात की पुष्टि हुई है। बताया गया कि जय राम मांझी रेलवे से संबंधित परीक्षा देने के लिए ओडिशा के बालांगीर से रायपुर आया था। उसका परीक्षा केंद्र कलिंग यूनिवर्सिटी में निर्धारित था। मृतक के चाचा छबि लाल मांझी, जो इस घटना के बाद मौके

पर पहुंचे, पुलिस को बताया कि परीक्षा देने के बाद जय राम रायपुर से अभनपुर की ओर जा रहा था। ट्रेन के सीबीडी रेलवे स्टेशन पहुंचने पर वह समय पर नीचे नहीं उतर सका। ट्रेन के आगे बढ़ जाने पर उसने जल्दबाजी में उतरने का प्रयास किया, इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रेन से नीचे गिर गया। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है, जिसमें चलती ट्रेन से उतरने के प्रयास के दौरान गिरने से युवक की मौत हुई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों द्वारा सूचना दिए जाने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अभनपुर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा रेलवे से संबंधित अधिकारियों से भी जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि घटना के सटीक कारणों की पुष्टि की जा सके। वहीं, मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

जगदलपुर में चीतल के शिकार व अतिक्रमण के आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर वनमंडल के तहत माचकोट रेंज में चीतल के शिकार और सुकमा से आकर माचकोट में अवैध अतिक्रमण करने के मामले में वन विभाग के अमले ने 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि शहर से लगे ग्राम बिलौरी में चीतल के शिकार और सुकमा जिले से आए 14 आरोपियों द्वारा माचकोट क्षेत्र में वनभूमि पर अतिक्रमण का प्रयास करने के मामले में वन विभाग ने वन अपराध दर्ज कर कार्रवाई की है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। आरोपियों के खिलाफ वन विभाग ने वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972, भारतीय वन अधिनियम 1927 व लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम 1984 की धाराओं के तहत कार्रवाई की है।

सीसीएफ आलोक तिवारी व डीएफओ उत्तम गुप्ता के निर्देश पर एसडीओ देवलाल दुग्गा व माचकोट रेंजर सुमित साहा के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में परिक्षेत्र सहायक बनसिंह कर्मा, बाबाराम कश्यप, बुधसन बघेल, लच्छूराम मरकाम व अन्य कर्मी शामिल थे।

रायगढ़ कार्बन प्लांट विस्फोट केस : एफआईआर दर्ज

रायगढ़। रायगढ़ के मंगल कार्बन प्लांट में फर्नेस विस्फोट से बड़ा हादसा हो गया, जिसमें आठ कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। वहीं इस मामले में अब प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में स्थित मंगल कार्बन प्लांट में बीते दिन एक बड़ा हादसा सामने आया था। प्लांट की फर्नेस (भट्टी) में हुए भीषण विस्फोट के कारण आठ लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। जानकारी के अनुसार, यह हादसा सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी और लापरवाही का परिणाम बताया जा रहा है। घटना के बाद, प्रबंधन के खिलाफ दो लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधीक्षण अभियंता
शिवनाथ मण्डल, दुर्ग (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

ePocurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 184826/निविदा सूचना क्र. 10/वलेलि/2025-26, दुर्ग दिनांक 03.02.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 24.02.2026 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम :- मरोदा जलाशय क्रमांक 02 में भरदा कोनारी एनीकट से जल आपूर्ति के कार्य अंतर्गत (डिपोजिट मद) ग्राम चंदखुरी में भरदा कोनारी एनीकट के समीप नवीन पम्प हाऊस हेतु नयी 33 के.व्ही. लाईन बिछाने का कार्य, 132/33 के.व्ही. पुलगांव सब स्टेशन से 33/6.6 के.व्ही. सब स्टेशन तक (आपूर्ति स्थापना परीक्षण एवं कमीशनिंग कार्य)

अनुमानित लागत - रु. 120.71 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 10.02.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है.

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है.

जी - 252606483/7

कार्यपालन अभियंता
तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग (छ.ग.)
कृते- अधीक्षण अभियंता शिवनाथ मण्डल दुर्ग (छ.ग.)

खेत में जुआ खेल रहे सात गिरफ्तार

राजनांदगांव। छुईखदान पुलिस ने खेत में जुआ खेल रहे 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 9100 रुपए नकद व ताशपत्ती जब्त की गई है। छुईखदान पुलिस ने बताया कि बुधवार दोपहर शहर से लगे खेत में जुए के फड़ जमे होने की सूचना मिली।

इसके बाद टीम ने मौके पर दबिश दी। जहां से भारत कुंभकार, लोकेश दास, मुकेश वैष्णव,

अशोक सार्वा, रमेश देवांगन, चेतन देवांगन और दिनेश कुंभकार को हिरासत में लिया गया। जुआ एक्ट में कार्रवाई की गई है।

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

विष्णु के सुशासन में

महिला सशक्तीकरण

महिला शक्ति को सम्मान

69 लाख से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह **₹1000** की सहायता

प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के अंतर्गत 4.81 लाख महिलाओं को **₹237 करोड़** की सहायता

19 लाख से अधिक महिलाओं को पूरक पोषण आहार की सुनिश्चितता

महिला सुरक्षा के लिए **सखी वन स्टॉप सेंटर** और महिला हेल्पलाइन **181** की स्थापना

महिलाओं को रोजगार मूलक कार्यों के जरिए स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए पंचायत स्तर पर **179 महतारी सदनों** का निर्माण

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

RO - 45320/6

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

/ChhattisgarhCMO
/DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in

सुशासन से समृद्धि की ओर

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950